RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 23 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :27 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 44 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नफ़रत के सौदागरों, सद्भावना पंजाब से सीखो

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 006 | गाजियाबाद, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

कोर्ट ने 23 साल की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे को दिया महिला को मुआवजा देने का निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2002 में एक रेल हादसे में अपने पति को खो चुकी महिला को वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे से उचित मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की। सायनोक्ता देवी के पति विजय सिंह के पास 21 मार्च 2002 को बख्तियारपुर स्टेशन से भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से पटना जाने के लिए वैध रेलवे टिकट था, लेकिन डिब्बे के अंदर भारी भीड़ के कारण वह दुर्घटनावश बख्तियारपुर स्टेशन पर ही चलती ट्रेन से गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सायनोक्ता देवी ने इसके बाद पति की मौत का मुआवजा पाने के लिए करीब दो साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनके दावे को रेलवे दावा न्यायाधिकरण और पटना उच्च न्यायालय ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

SIR : निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से की मुलाकात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारी बुधवार को यहां राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूचियों को दुरुश्त करने के लिए अखिल भारतीय श्तर पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद शुरू करने की अपनी योजना को अंतिम रूप दिया जा सके। दो दिवसीय यह बैठक सितम्बर के बाद से दूसरी बार हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्तों एसएस संधू तथा विवेक जोशी सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ यहां बैठक कर रहे हैं। यह बैठक बृहस्पतिवार तक जारी रहेगी। निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों में एक मजबूत राय यह है कि एसआईआर को चरणों में आयोजित किया जाना चाहिए, जिसकी शुरुआत उन राज्यों से की जानी चाहिए जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

एअर इंडिया का नेवार्क जाने वाला विमान तकनीकी खराबी के कारण मुंबई लौटा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। एअर इंडिया का नेवार्क जाने वाला एक विमान मंगलवार देर रात तकनीकी खराबी के कारण मुंबई लौट आया। उड़ानों पर निगरानी रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात एक बजकर 50 मिनट पर नेवार्क के लिए उड़ान भरने वाला बोइंग 777 विमान तीन घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रहने के बाद मुंबई लौट आया। विमानन कंपनी ने एक बयान में बताया, "22 अक्टूबर (21 अक्टूबर देर रात एक बजकर 50 मिनट पर) को मुंबई से नेवार्क के लिए उड़ान भरने वाले एआई191 के चालक दल ने संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन मुंबई वापसी की। विमान सुरक्षित रूप से मुंबई में वापस उतर गया और उसकी आवश्यक जांच की जा रही है।" एअर इंडिया ने बताया कि उड़ान संख्या एआई191 और एआई144 (जो नेवार्क से मुंबई के लिए निर्धारित थीं) रद्द कर दी गईं।

किसान मंदी से घिरे, प्रधानमंत्री सच्चाई से भाग रहे हैं : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके सहयोगी इस सच्चाई से भाग रहे हैं कि देश के किसान फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिलने से मंदी का सामना कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी देश के किसानों के लिए जरूरी है। उनके मुताबिक मूंग, अरहर और कुछ अन्य फसलें तय एमएसपी से कम दाम पर खरीदी जा रही हैं।

एससी/एसटी कानून का इस्तेमाल, बैंकों के गिरवी

अधिकारों को रोकने के लिए नहीं हो सकता: अदालत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के लोगों की भूमि पर गलत कब्जे या बेदखली से संबंधित एससी/एसटी अधिनियम के प्रावधानों का इश्तेमाल किसी बैंक को उसके वैध गिरवी अधिकारों का इश्तेमाल करने से रोकने के लिए नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने एक्सिस बैंक, उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर रोक लगाते हुए प्रथम दृष्टया यह टिप्पणी की।

न्यायाधीश ने 16 अक्टूबर के आदेश में कहा, ''प्रथम दृष्टया, वर्तमान मामले के तथ्यों के संदर्भ में, एससी-एसटी अत्याचार रोकथाम अधिनियम की धारा 3(1)(एफ) और (जी) लागू नहीं होती, क्योंकि याचिकाकर्ता के गिरवी अधिकार/सुरक्षा हित के प्रयोग को रोकने के लिए इनका इश्तेमाल नहीं किया जा सकता।''

योग ने एक्सिस बैंक के एमडी और सीईओ को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया था, क्योंकि एक व्यक्ति ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (एससी/एसटी अधिनियम) की धारा 3(1)(एफ) और (जी) के तहत उल्लंघन का आरोप लगाया था।

धारा 3(1)(एफ) के तहत एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य की भूमि पर गलत तरीके से कब्जा करने या खेती करने पर दंड का प्रावधान है, जबकि धारा 3(1)(जी) एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य को उसकी भूमि या परिसर से गलत तरीके से बेदखल करने पर दंड से संबंधित है। अदालत के समक्ष दायर याचिका के अनुसार, 2013 में एक्सिस बैंक द्वारा सनदेव अप्लायंसेज लिमिटेड को 16.69 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया था, जिसके लिए महाराष्ट्र के वसई में भूखंड को गिरवी पर रखा गया। उधारकर्ता द्वारा चूक करने के बाद, खाते को 2017 में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित कर दिया गया, जिसके कारण बैंक ने कानून के तहत अपने अधिकारों का इश्तेमाल किया और गिरवी वाली संपत्ति के स्वामित्व को लेकर दीवानी विवाद हुआ।

इसके बाद, विवाद में शामिल एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का रूख किया। उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए आदेश पर रोक लगा दी कि आयोग के समक्ष लंबित कार्यवाही उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

न्यायपालिका में दृष्टिबाधित लोगों पर आदेश लागू करने के लिए एमपी हाईकोर्ट को मिला समय

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दृष्टिबाधित लोगों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर प्रदान करने के अपने फैसले को लागू करने के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को चार महीने का समय दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि दृष्टिबाधित लोगों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा नियमों के उन प्रावधानों को भी रद्द कर दिया, जो दृष्टिबाधित लोगों को न्यायापालिका से जुड़ने से वंचित रखते थे। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय की ओर से पेश हुए वकील की दलील को भी स्वीकार किया कि राज्य सरकार के परामर्श से नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। पीठ ने कहा, "फैसले को लागू करने के लिए समय बढ़ाने की अर्जी दायर की गयी थी, अर्जी स्वीकार की जाती है। अनुपालन और प्रगति रिपोर्ट देने के लिए मामले को चार महीने बाद सूचीबद्ध किया जाता है।" शीर्ष अदालत ने तीन मार्च को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित और अल्पदृष्टि वाले उम्मीदवारों को आरक्षण देने से इनकार करने से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाया।

दीपावली : दिल्ली में प्रदूषण खतरनाक, : उदित राज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उदित राज ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर बीजेपी को घेरते हुए कहा, "जब दिल्ली में बीजेपी सत्ता में नहीं थी, तब वह तरह-तरह की बातें करती थी। अब सत्ता में होने के बावजूद पंजाब को बहाना बनाकर अपनी नाकामी छिपा रही है।

दीपावली के बाद से दिल्ली में स्मॉग और प्रदूषण खतरनाक श्तर पर पहुंच गया है, लेकिन सरकार के पास कोई ठोस जवाब या समाधान नहीं है।"

उन्होंने कहा कि यह कैसे संभव है कि एक ही दिन में प्रदूषण अचानक बढ़ गया? भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों ही निकम्मी हैं और सिर्फ दोषारोपण का खेल खेलती हैं। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही जनता के कल्याण के लिए समर्पित है।

उन्होंने केंद्र और दिल्ली सरकार से इस मुद्दे पर तत्काल हश्तक्षेप की मांग की। उदित राज ने कहा, "प्रधानमंत्री, कैबिनेट और बड़े अधिकारी सभी यहीं हैं। सभी को मिलकर इस संकट का समाधान करना चाहिए, लेकिन बीजेपी इसे मैनेज करने में पूरी तरह विफल रही है।" बिहार विधानसभा चुनाव से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के हटने पर उदित राज ने इंडिया गठबंधन की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "कांग्रेस कुछ समायोजन कर रही है और झामुमो को भी ऐसा ही करना चाहिए। हमारा लक्ष्य संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है।

इसके लिए कभी-कभी छोटे-मोटे समझौते जरूरी होते हैं।" उन्होंने झारखंड विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा, "जब हमने झारखंड में चुनाव लड़ा तो झामुमो ने जो सीटें दीं, हमने स्वीकार कीं। बिहार में भी गठबंधन को बड़ा दिल दिखाना चाहिए।" उदित राज ने एनडीए पर भी तंज कसते हुए कहा, "एनडीए में तो भितरघात हो रहा है, लेकिन इंडिया गठबंधन में ऐसी कमियां नहीं दिखनी चाहिए।"

बेल्जियम में मुकदमा हारा मेहुल चौकसी, भारत वापसी का रास्ता खुला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बेल्जियम में एंटवर्प की एक अदालत ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चौकसी की अपील खारिज कर दी है और उसे भारत भेजने के फैसले को बरकरार रखा है। हीरा कारोबारी चौकसी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में एक प्रमुख आरोपी है।

अदालत ने मामले पर गौर करने के बाद पाया कि उसके प्रत्यर्पण के लिए सभी कानूनी शर्तें पूरी होती हैं। अदालत ने 2018 और 2021 के भारतीय गिरफ्तारी वारंटों को लागू करने योग्य बताया।

चौकसी ने अदालत से अपनी दलील में कहा था कि भारत में उसके जीवन और स्वतंत्रता को खतरा होगा। उसने यह भी दावा किया कि वह राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार है और उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी। यही नहीं उसने अपनी खराब सेहत का भी हवाला दिया। लेकिन अदालत ने चौकसी की दलीलों को अपर्याप्त बताया और कहा कि वह भारत में किसी तरह के अमानवीय व्यवहार की आशंका या इंसाफ नहीं मिलने के 'वाश्तविक जोखिम' को साबित नहीं कर सका है।

इस कानूनी लड़ाई में चौकसी ने राष्ट्रीयता की दलील का भी सहारा लिया। उसके वकीलों ने कहा कि प्रत्यर्पण का अनुरोध ही गलत है क्योंकि भारतीय अधिकारियों ने एंटीगुआ और बारबुडा की उसकी नागरिकता के बारे में अदालत को पूरी जानकारी नहीं दी थी। लेकिन अदालत ने इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बेल्जियम से प्रत्यर्पण के उद्देश्य के लिए, एकमात्र प्रासंगिक तथ्य यह है कि चौकसी के पास "बेल्जियम की नागरिकता नहीं है,"। यह बात उसे बेल्जियम के कानून के तहत "विदेशी" करार देती है। अदालत के फैसले में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि उसकी भारतीय या एंटीगुआ की नागरिकता "अप्रासंगिक" है और चूँकि सभी कानूनी शर्तें पूरी हो चुकी हैं, इसलिए उसका प्रत्यर्पण हो सकता है।

गौरतलब है कि चौकसी और उसका भतीजा नीरव मोदी भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक को अंजाम देने के मुख्य आरोपी हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने फर्जी ऋण गारंटी का इश्तेमाल करके पीएनबी बैंक से धोखाधड़ी की। मामला सामने आने पर ये लोग 2018 में देश छोड़कर भाग गए। नीरव मोदी ब्रिटेन की जेल में प्रत्यर्पण की लड़ाई लड़ रहा है, वहीं चौकसी ने एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता हासिल कर ली है।

इस अपील के खारिज होने के बाद, बेल्जियम में चौकसी के पास देश के सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का अंतिम कानूनी विकल्प है। अगर वह भी विफल हो जाता है, तो बेल्जियम सरकार के लिये उसे भारत प्रत्यर्पित करने का राश्ता साफ हो जाएगा। इसके बाद उस पर कानूनी कार्रवाई हो सकेगी। यह फैसला चौकसी को मुकदमे का सामना करने के लिए वापस लाने की मांग कर रही भारतीय एजेंसियों के लिए एक बड़ी जीत है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बाल-बाल बचीं, हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान हेलीपैड का हिस्सा धंसा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सबरीमाला के दौरे पर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चॉपर अचानक कंक्रीट के गड्ढे में फंस गया। हेलीपैड बीती रात ही बनाया गया था, जिसकी मिट्टी और कंक्रीट नरम थी।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिसकर्मियों और अग्निशमन बल के कर्मचारियों ने हाथ से धक्का देकर हेलीकॉप्टर को बाहर निकाला है।

यह घटना आज सुबह केरल के प्रमादम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में देखने को मिली। हालांकि, इस दौरान कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी बाल-बाल बच गईं। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद वो सड़क के राश्ते पंबा के लिए रवाना हो गईं हैं। घटना की जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी। मगर, मौसम खराब होने के कारण स्टेडियम में लैंडिंग की योजना बनाई गई थी।' मंगलवार की देर रात स्टेडियम में हेलीपैड तैयार किया गया था, लेकिन सुबह तक शायद कंक्रीट पूरी तरह से जमा नहीं था। ऐसे में जब हेलीकॉप्टर यहां उतरा तो कंक्रीट में गड्ढे बन गए और हेलीकॉप्टर इसमें धंस गया।

मथुरा-पलवल रेलखंड पर मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे, मरम्मत कार्य जारी

एनसीआर टुडे. मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा-दिल्ली रेल लाइन पर मंगलवार रात वृंदावन रोड और आझई स्टेशनों के बीच कोयले से लदी मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसके बाद बुधवार को पटरी की मरम्मत का कार्य युद्धश्तर पर जारी है और रेलवे प्रशासन ने शाम तक सभी चारों लाइन पर यातायात बहाल करने का लक्ष्य रखा है।

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह और आगरा मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बहाली कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी प्रशश्ति श्रीवाश्तव ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद रात में ही चौथी लाइन पर रेल यातायात बहाल कर दिया गया था, जबकि बुधवार सुबह सात बजे से तीसरी लाइन भी चालू कर दी गई। इसके साथ ही दिल्ली की ओर आने-जाने वाली गाड़ियों का संचालन आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है।

लोकपाल की बीएमडब्ल्यू कारों की निविदा पर विपक्ष ने कहा : दुखद विडंबना है

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विपक्ष ने भ्रष्टाचार निरोधक संस्था लोकपाल द्वारा सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए निविदा जारी किए जाने को लेकर बुधवार को उस पर निशाना साधा और कहा कि यह दुखद विडंबना है कि ईमानदारी के रक्षक विलासिता के पीछे भाग रहे हैं।

लोकपाल ने सात लक्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए एक निविदा जारी की है, जिनकी कुल कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये है। लोकपाल में वर्तमान में एक अध्यक्ष और छह सदस्यों सहित सात सदस्य हैं, जबकि स्वीकृत सदस्यों की संख्या आठ है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने सवाल उठाया कि जब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को साधारण सेडान कारें दी जाती हैं, तो लोकपाल के अध्यक्ष और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू कारों की आवश्यकता क्यों है? चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'इन कारों को खरीदने के लिए जनता का पैसा क्यों खर्च किया जाए? मुझे उम्मीद है कि लोकपाल के कम से कम एक या दो सदस्यों ने इन कारों को लेने से इनकार कर दिया होगा, या करेंगे।' कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने भी इस कदम की आलोचना की और लोकपाल पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, 'मैंने लोकपाल संबंधी संसदीय समिति की अध्यक्षता की थी। डॉ. एल.एम. सिंघवी ने पहली बार 1960 के दशक की शुरुआत में लोकपाल का विचार रखा था। यह देखना कि भ्रष्टाचार विरोधी संस्था अब अपने सदस्यों के लिए बीएमडब्ल्यू मंगवा रही रही है, एक दुखद विडंबना है, क्योंकि ईमानदारी के पहरेदार विलासिता के पीछे भाग रहे हैं।'तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'लोकपाल की विलासिता। भारत के लोकपाल का वार्षिक बजट 44.32 करोड़ रुपये है। अब, लोकपाल सभी सदस्यों के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये में 7 लग्ज़री बीएमडब्ल्यू कारें खरीद रहा है। यह पूरे वार्षिक बजट का 10 प्रतिशत है।' उन्होंने कहा, 'लोकपाल कथित तौर पर एक भ्रष्टाचार विरोधी संस्था है। तो फिर भ्रष्ट लोकपाल की जांच कौन करेगा?'शिवसेना (उबाठा) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी लोकपाल की आलोचना की।

दक्षिण भारत में बारिश-तूफानी हवाओं का कहर जारी, विभाग ने किया अलर्ट जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर भारत के राज्यों से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम में बदलाव आया है। दिल्ली और आसपास इलाके के लोग धुएं और धूल भरी जहरीली हवा से परेशान हैं, तो वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में आज भी भारी बारिश और तूफानी हवाओं का कहर जारी है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बुधवार को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

वहीं, देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार खराब श्रेणी में बना हुआ है। बुधवार सुबह दिल्ली का ओवरऑल एक्यूआई लेवल 342 है। आज भी आसमान में धुंध छाई है। हालांकि वायु प्रदूषण का श्तर कम है। मौसम विभाग के मुताबिक तमिलनाडु और केरल में बुधवार को अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा पुडुचेरी, दक्षिणी और तटीय कर्नाटक, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में भी तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

तमिलनाडु में चेंगलपट्टू, विलुपुरम, कड्डलूर और मयिलादुथुरै जिलों में बुधवार को सबसे ज्यादा खतरा बताया है। इन चार जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। तमिलनाडु सरकार ने आपात राहत और बचाव दलों को अलर्ट किया है। सीएम एमके स्टालिन ने मंगलवार को उच्चश्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जो चेन्नई से करीब 400 किलोमीटर दूर है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में की गोवर्धन पूजा

एनसीआर टुडे. गौरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक दीपावली के दिन से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां पर हैं और उन्होंने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, किसानों और पशुपालकों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई अभिनव कार्यक्रम संचालित कर रही है, प्रदेश में 16 लाख गोवंश ऐसे हैं जिनके भरण पोषण के लिए प्रदेश सरकार धन दे रही है।

भारत में आस्था और विज्ञान के बीच टकराव की पड़ताल करती नई किताब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अंतरिक्ष अभियानों और तकनीक के इस युग में भी ईश्वर, चमत्कार और अंधविश्वास क्यों कायम हैं? एक नई किताब 'फ्रॉम मिथ्स टू साइंस' इसी विरोधाभास पर प्रकाश डालती है और बताती है कि कैसे विज्ञान ने पारंपरिक विश्वास प्रणालियों को चुनौती दी है।

वैज्ञानिक, कवि और फिल्मकार गौहर रजा द्वारा लिखित यह पुश्तक बताती है कि किस प्रकार मानव समझ प्राचीन मिथकों से विकसित होकर तर्कसंगत विचारों तक पहुंची है, तथा किस प्रकार विज्ञान आधुनिक भारत में सार्वजनिक जीवन को नया आकार दे रहा है।

चंद्र और मंगल मिशनों से लेकर डिजिटल नवाचार तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति के बावजूद अंधविश्वास, ज्योतिष और छद्म विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा से लेकर चुनावों तक, रोज़मर्रा के फैसलों को प्रभावित करते रहते हैं। यह पुश्तक इस विरोधाभास की तीखी आलोचना करती है। यह पुश्तक भारत के संवैधानिक वादे को भी प्रतिबिंबित करती है, जिसमें तर्क और वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज को बढ़ावा देने का वादा किया गया है। लेखक के अनुसार यह दृष्टिकोण आज पहले से कहीं अधिक जरूरी है।

प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) के अनुसार 'फ्रॉम मिथ्स टू साइंस' पुश्तक 'छात्रों, नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, विचारकों और देश के लोकतांत्रिक भविष्य में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति' के लिए अनुशंसित है।

संक्षिप्त समाचार

ओला के सीईओ को परेशान नहीं करे पुलिस

● सुसाइड केस में कर्नाटक हाईकोर्ट का आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पुलिस को निर्देश दिया कि वे इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भविष्य अग्रवाल और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास को आत्महत्या मामले की जांच के नाम पर परेशान न करें। यह मामला ओला इलेक्ट्रिक के 38 साल के एक इंजीनियर के. अरविंद की आत्महत्या से जुड़ा है, जिन्होंने कथित रूप से अपनी सुसाइड नोट में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और आर्थिक शोषण का आरोप लगाया था।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज की एकल पीठ ने की। अदालत ने कहा, बेंगलुरु शहर के सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध संख्या 372/2025 के मामले में जांच कर रही पुलिस याचिकाकर्ताओं को जांच के बहाने परेशान नहीं करेगी। यह आदेश ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भविष्य अग्रवाल और होमोलोगेशन इंजीनियरिंग प्रमुख सुब्रत कुमार दास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। दोनों ने एफआईआर रद्द करने की मांग की थी, जिसमें उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने (धारा 108, भारतीय न्याय संहिता 2023) का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने यह एफआईआर 6 अक्टूबर को दर्ज की थी। शिकायत अरविंद के भाई अश्विन कन्नन ने दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि ओला इलेक्ट्रिक में नौकरी के दौरान अरविंद को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उनकी सैलरी व भत्ते रोके गए, जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। शिकायत के अनुसार, अरविंद ने 28 सितंबर को बेंगलुरु के चिकलासंद्रा स्थित अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। परिवार का दावा है कि उनकी मृत्यु के दो दिन बाद 17,46,313 रुपये उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए, जिसे उन्होंने संदिग्ध बताया। परिवार के मुताबिक, सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से भविष्य अग्रवाल और सुब्रत कुमार दास के नाम लिखे गए हैं और उन्हें इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

असली अंधेरा अखिलेश यादव की सोच में: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मुरादाबाद, एजेंसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान के दीपोत्सव को लेकर दिये गए बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सपा दीपोत्सव की रोशनी में अंधेरा ढूंढने का प्रयास करती है। यह बात मंगलवार को उन्होंने लोनिवि गेस्ट हाउस में

पत्रकार वार्ता के दौरान कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अखिलेश यादव के दीपोत्सव के नाम पर फिजूलखर्ची के बयान के जवाब में कहा कि असली अंधेरा अखिलेश यादव की सोच में है।

वहीं आजम खान के दिये गए बयान 'जो लोग दीये जला सकते हैं वह कुछ भी जला सकते हैं' पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने बयानों की घोर निंदा करते हुए कहा कि इस तरह के बयान बहुसंख्यक समाज को अपमानित करने वाले हैं। दीप जलाना प्रेम का प्रतीक है। ऐसे बयान देने वालों को प्रदेश की जनता राजनीतिक रूप से अंधकार में धकेल देगी। यह जनता ने तय भी कर लिया है। उनकी सोच सनातन विरोधी है। साधु-संतों और महापुरुषों के लिए गलत बयान देते रहे हैं। विपक्ष का एजेंडा हमारी संस्कृति को कलंकित करने का रहा है। दीप जलाना हमारी संस्कृति और आस्था से जुड़ा है। स्वामी प्रसाद मौर्य को भी जनता समझ चुकी है। उनके बयानों को अब जनता गंभीरता से नहीं लेती है।

बिहार के बाद अब महाराष्ट्र में भी विपक्ष में मची कलह

कांग्रेस के ऐलान ने बढ़ाई टेंशन

मुंबई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा सही से नहीं हो सका है। करीब आधा दर्जन सीटें तो ऐसी ही हैं, जहां महागठबंधन के ही दल यानी आरजेडी, कांग्रेस, वामदल ही फ्रेंडली फाइट में उतरेंगे। वहीं पूरे देश में इंडिया अलायंस नाम वाले इस गठबंधन में महाराष्ट्र में भी खटास पैदा होती दिख रही है। महाराष्ट्र में कांग्रेस का कहना है कि हम निकाय चुनाव में अकेले उतरना पसंद करेंगे। पार्टी का कहना है कि हम उस गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहेंगे, जिसमें राज ठाकरे होंगे। सीनियर कांग्रेस लीडर और मुंबई के पूर्व अध्यक्ष भाई जगताप ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ चुनाव में नहीं रहना चाहेगी और ना ही हम ऐसी स्थिति में उद्धव ठाकरे के साथ रहना चाहेंगे। हम अकेले लड़ना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के प्रभारी रमेश चेन्निथला के साथ नई गठित कमेटी ने मीटिंग की थी और तब यह मसला उठा था। फिलहाल इस बारे में कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया गया है। वहीं शिवसेना नेता आनंद दुबे ने भी भाई जगताप को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई फैसला तो राहुल गांधी या फिर मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे या फिर शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे लेंगे। भाई जगताप किस हैसियत से ऐसा बोल रहे हैं।

शिवसेना लीडर ने कहा कि हमें चुनौती मत दीजिए। हम शिवसेना हैं और पिछले चुनाव में हमने अकेले चुनाव लड़ा था और भाजपा को हराया था। हम अपने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अकेले चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार हैं। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी 2019 से सहयोगी हैं। इस गठबंधन की नींव एनसीपी नेता शरद पवार की ओर से 2019 में तब रखी गई थी, जब भाजपा और शिवसेना के बीच सरकार गठन को लेकर विवाद हुआ था। तब उद्धव ठाकरे को सीएम बनाते हुए गठबंधन किया गया था। हालांकि 2022 में तब चीजें पलट गईं, जब एकनाथ शिंदे ने पार्टी में ही फूट कर दी और 40 विधायक लेकर खुद ही भाजपा के सहयोग से सीएम बन गए।

हालांकि अब चीजें फिर से महाराष्ट्र में बदल रही हैं। उद्धव ठाकरे की अपने अपने बिछड़े चचेरे भाई के साथ फिर से नज़दीकी बढ़ती दिख रही है। तभी से सवाल उठ रहा है कि क्या वे गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी भी शामिल हैं। गौरतलब है कि बीएमसी को एशिया का सबसे अमीर नगर निकाय कहा जाता है। इसी को लेकर राज और उद्धव के बीच समझौते की चर्चाएं हैं। महा विकास अघाड़ी के दूसरे सहयोगी शरद पवार इस पर क्या प्रतिक्रिया देंगे, इसका फिलहाल इंतजार है। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के दबाव ने महागठबंधन के सहयोगियों को अलग कर दिया है। हालांकि कांग्रेस या लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल की ओर से ऐसा कोई कड़ा बयान नहीं आया है, लेकिन दोनों ही सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बना पाए हैं।

ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का किया समर्थन, वोट देने की अपील, गठबंधन पर क्या बोले

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन किया है। उन्होंने अपनी पार्टी का कैंडिडेट मैदान में नहीं उतारने का फैसला लिया। इसे लेकर ओवैसी से सवाल किया गया कि बिहार में आप कांग्रेस को हराने की बात कर रहे हैं और यहां उसका समर्थन क्यों कर रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, यह अच्छा सवाल है। बिहार में अख्तरुल इमान साहब और एआईएमआईएम पार्टी ने लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा। खरगे साहब को पत्र लिखा। सीपीआई एमएल के नेता और सीपीआई को पत्र लिखा गया। हमने क्या लिखा? खरगे साहब को चिट्ठी लिखी, तेजस्वी यादव को पत्र लिखा और 6 सीटें देने को कहा था।

जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर ओवैसी ने कहा कि यहां सरकार बनानी है। उपचुनाव की एक सीट को बिहार की 200 से ज्यादा विधानसभा सीटों से तुलना नहीं करनी चाहिए। हमने पत्र लिखे, लेकिन कोई सहमत नहीं हुआ। इसलिए हम चुनाव लड़ेंगे। हमारे 5 विधायक वहां पर कामयाब हो चुके हैं। एआईएमआईएम चीफ ने कहा, हम चंद्रशेखर आजाद की पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्या साहब के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए अगर कोई इस उपचुनाव को देख रहा है तो उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता।

जुबली हिल्स से एआईएमआईएम का कोई उम्मीदवार नहीं

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जुबली हिल्स के लिए हमारे कोई उम्मीदवार नहीं हैं। अगर कोई एआईएमआईएम पार्टी का नाम लेकर किसी स्वतंत्र उम्मीदवार का नाम ले रहा है, तो हम चुनाव आयोग को पत्र देंगे। न हमारे वीडियो में फोटो इस्तेमाल करें, न कोई नाम लें। अगर कोई ऐसा हमें सबूत के साथ बताता है, तो हम ईसीआई से शिकायत करेंगे। ओवैसी ने कहा कि यह उपचुनाव सरकार बनाने या गिराने से संबंधित नहीं है, बल्कि विकास के मुद्दे पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने बीआरएस के पूर्व विधायक मगंती गोपीनाथ पर 10 साल के कार्यकाल में जुबली हिल्स के किसी भी वार्ड में विकास न करने का आरोप लगाया और स्थानीय लोगों से युवा नेता नवीन यादव को वोट देने की अपील की, ताकि क्षेत्र में प्रगति लाई जा सके।

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव से पहले एनसीसी को झटका!

तीन पूर्व एमएलए के भाजपा में शामिल होने की अटकलें

सोलापुर , एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के तीन पूर्व विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलों से

पवार खेमे में बेचैनी बढ़ गयी है। पार्टी ने सोलापुर जिले में हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए पार्टी नेता और राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे को मंगलवार को जिले के प्रमुख नेताओं से चर्चा करने और उन्हें पार्टी में बने रहने के लिए मनाने के लिए भेजा है। हाल ही में राकांपा नेता और पूर्व विधायक राजन पाटिल, पूर्व विधायक यशवंत माने और माढा विधायक बबनराव शिंदे के पुत्र रणजीतसिंह शिंदे ने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की एक तस्वीर वायरल होने के बाद अफवाहें फैल गई हैं कि तीनों भाजपा में शामिल होने वाले हैं। शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि इस संदर्भ में मंत्री दत्तात्रेय भरणे का सोलापुर दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बीच सोलापुर जिले के संरक्षक मंत्री एवं भाजपा नेता जयकुमार गोरे ने पत्रकारों को बताया कि ऑपरेशन लोटस शुरू हो गया है और जिले में जल्द ही दिवाली के पटाखे गूंजने लगेंगे। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि ये दलबदल भाजपा की रणनीति का हिस्सा हैं।

बिहार चुनाव के बीच संकट में लालू परिवार

सीबीआई ने खड़े किए दर्जनभर गवाह, अगले हफ्ते से ट्रायल

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले लालू परिवार पर संकट गहरा गया है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे। सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है।

सूत्रों के हवाले से ईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त गवाहों से पूछताछ के बाद, सीबीआई आरोपियों के खिलाफ अपने आरोपों को पुष्ट करने के लिए कुछ और गवाह भी पेश करेगी।

इसी महीने आरोप तय हुए हैं

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर

षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं।

लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी- 13 अक्टूबर को आरोप तय करते हुए विशेष सीबीआई कोर्ट के जज विशाल गोगने ने कहा था कि वे प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अपने आदेश में जज ने कहा, निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे... यह स्पष्ट संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, ज़मीन के टुकड़ों का कम मूल्यांकन किया गया था और फिर वे लालू के हाथों में आ गए।

अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप

बता दें कि सीबीआई ने यादव परिवार पर भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की निविदाओं और अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। लालू प्रसाद यादव पर रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कोचर बंधुओं-विजय कोचर, विनय कोचर (दोनों मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, होटल चाणक्य, पटना के मालिक) और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप हैं, ताकि रांची और पुरी में रेलवे के बीएनआर होटलों को उप-पट्टे पर देने के लिए ठेके देने में फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

ठेके के बदले दिए भूखंड

सीबीआई के आरोपपत्र के अनुसार, ठेके के बदले में कोचर ने कथित तौर पर पटना में एक प्रमुख भूखंड लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता और उनके सहयोगियों द्वारा नियंत्रित एक कंपनी को बेच दिया और बाद में इस कंपनी को यादव के परिवार के सदस्यों ने अपने नियंत्रण में ले लिया और यह मूल्यवान संपत्ति मामूली कीमत पर उन्हें हस्तांतरित कर दी। न्यायाधीश द्वारा आरोप पढ़े जाने के बाद लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी ने निर्दोष होने की दलील दी और मुकदमे का सामना करने की बात कही।

स्कूल की प्रिंसिपल ने 5वीं के छात्र को पाइप से पीटा, मां ने दर्ज कराई एफआईआर

बेंगलुरु , एजेंसी। बेंगलुरु के निजी स्कूल में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक मां ने आरोप लगाया कि उसके 9 साल के बेटे को प्रिंसिपल ने पीवीसी पाइप से बुरी तरह पीटा। होयसलानगर की रहने वाली दिव्या शंकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया कि उनका बेटा नयन गौड़ा सेंट मैरी पब्लिक स्कूल में 5वीं कक्षा का छात्र है। उसे 14 अक्टूबर को स्कूल कैंपस में 4 से 5 बजे के बीच पीटा गया। दिव्या के अनुसार, प्रिंसिपल राकेश कुमार ने प्लास्टिक की पाइप से उनके बेटे पर हमला किया, जिससे वह घायल और खून से लथपथ हो गया।

शिकायत में कहा गया कि जब डरा हुआ बच्चा भागने की कोशिश कर रहा था, तब टीचर चंद्रिका ने उसे पकड़ लिया और प्रिंसिपल ने पीटना जारी रखा। स्कूल मालिक विजय कुमार घटना के दौरान वहां पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया। दिव्या ने बताया कि उनका बेटा शारीरिक रूप से घायल होने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी आहत है।

ट्रांसफर सर्टिफिकेट देने की धमकी- बच्चे की मां ने स्कूल मैनेजमेंट से घटना को लेकर बात की, तो उन्हें धमकी दी गई कि ज्यादा सवाल न पूछें और ट्रांसफर सर्टिफिकेट लेकर चले जाएं। दिव्या ने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की है। प्रिंसिपल, टीचर और स्कूल मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे का मेडिकल टेस्ट किया जाएगा और स्कूल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इसके आधार पर आगे का ऐक्शन लिया जाएगा।

बसपा में फिर फेरबदल : मुनकाद की जगह जाफर मलिक, विक्रम सिंह बने मुख्य मंडल प्रभारी

मेरठ, एजेंसी। बसपा में मिशन-2027 को लेकर फेरबदल का क्रम जारी है। पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर अमरोहा के जाफर अली और विक्रम सिंह जाटव को मेरठ मंडल का मुख्य मंडल प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह कई अन्य मंडल प्रभारियों में भी फेरबदल किया है। दीपावली के दिन बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर मंडलों के मुख्य प्रभारियों के दायित्व में फेरबदल किया गया है। पश्चिम क्षेत्र के पूर्व मुख्य प्रभारी शमसुद्दीन राइन को बरेली मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया है। इसी तरह मेरठ-सहारनपुर

और मुरादाबाद मंडल के निवर्तमान मुख्य प्रभारी पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। इनके स्थान पर आगरा के विक्रम सिंह जाटव और अमरोहा के जाफर मलिक को लगाया है। मेरठ मंडल की दूसरी टीम मेघानंद जाटव, रोहताश सिंह जाटव, डा.कमल सिंह राज और परवेज आलम उर्फ गोलू भी मेरठ मंडल का काम देखेंगे। माना जा रहा है कि बसपा नेतृत्व ने तय किया है कि दो-दो मंडलों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं के पास रहेगी। इसके तहत मंडलों के मुख्य प्रभारियों का दायित्व बदला गया है।

पूर्व जिलाध्यक्ष बने जिला प्रभारी

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह, पुष्पेन्द्र जाटव और प्रबुद्ध कुमार जाटव को मेरठ जिले का प्रभारी बनाया है।

23 साल तक पेट में फंसा रहा सिक्का, शिमला के डॉक्टरों के चमत्कार से युवती को मिली नई जिंदगी

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शिमला के पास चमियाना स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चमत्कार कर दिया। डॉक्टरों ने एक महिला के आहाल नाल (एलिमेंट्री कैनाल) में 23 साल से फंसा हुआ एक सिक्का निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक महिला ने बचपन में गलती से सिक्का निगल लिया था, जिसको इलाज के बाद नया जीवन दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 23 साल की महिला ने बचपन में गलती से सिक्का निगल लिया था। उसे इस बात की अब तक जानकारी नहीं थी कि उसने पेट मे सिक्का निगल लिया है। मगर धीरे-धीरे उसे खाना खाने में दिक्कत आने लगी थी। जब उसे खाना निगलने में लगातार कठिनाई और भूख में कमी का अनुभव होने लगा, तो उसने एआईएमएसएच में दिखाया। कई बार मेडिकल चेकअप हुए। इसके बाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विशेषज्ञों ने पाया कि सिक्का उसकी ग्रासनली में गहराई से धंसा हुआ है। डॉक्टरों ने बताया कि यह एक गंभीर समस्या थी। हालांकि अन्य अस्पतालों में इलाज किया गया, लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी थी। एआईएमएसएच में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के प्रमुख डॉ. बृज शर्मा के निर्देशन में डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. विशाल बोध और डॉ. आशीष चौहान के साथ डॉक्टरों की एक टीम ने शुक्रवार को सिक्का निकालने के लिए एक बेहद जटिल एंडोस्कोपिक सर्जरी की। डॉक्टरों के मुताबिक इस ऑपरेशन के लिए असाधारण सटीकता की जरूरत थी, क्योंकि आसपास के हिस्सों में कई सालों से सख्त और फाइब्रोसिस हो गए थे।

पिस्टल से फायरिंग और पटाखों का वायरल वीडियो, पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती!

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दीपावली के अवसर पर जहां पूरे देश में लोग शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मना रहे थे, वहीं गाज़ियाबाद के वसुंधरा इलाके के सेक्टर 10 में कुछ रौबदार युवाओं ने हवाई फायरिंग और पटाखों के साथ पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए 'अलग ही' दीपावली मनाई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक पिस्टल से फायरिंग करता हुआ और उसके बाद बेधड़क पटाखों को छोड़ता हुआ साफ दिखाई दे रहा है। यह घटना इंदिरापुरम थाना क्षेत्र अंतर्गत की बताई जा रही है। वायरल हो रहे वीडियो में वसुंधरा सेक्टर 10 के कुछ युवा खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में पहले एक युवा अपने हाथ में पिस्टल लेकर फायरिंग करता है, और इसके तुरंत बाद पटाखे भी चलाए जाते हैं। इस तरह की हरकतें न केवल गैरकानूनी हैं, बल्कि आसपास के लोगों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

विवाहिता ने पडोसी के द्वारा परेशान किए जाने पर कर ली आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक विवाहिता द्वारा आत्महत्या कर लेने के मामले में मृतका के पति द्वारा लिखी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। बताया जाता कि थाना क्षेत्र के गांव कुं जैटा निवासी सिविल कुमार पुत्र लल्लू सिंह ने 7 अक्टूबर को थाना बढ़ापुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव निवासी विवेक उर्फ नानू पुत्र ऋषिपाल उसकी पत्नी को परेशान किया करता था जिसके चलते उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद अभियुक्त विवेक उर्फ नानू के विरुद्ध धारा 108 बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। बुधवार को पुलिस ने अभियुक्त विवेक उर्फ नानू को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है।

युवक को सांप ने काटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गांव रुगड़ी निवासी अभिषेक (23) पुत्र धर्मेंद्र सिंह घर के बाहर राश्ते में आतिशबाजी छोड रहा था। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद वहां से उसे मेडिकल अस्पताल रैफर कर दिया गया। परिजनों ने उसकी हालत में सुधार होने की बात बताई है। वहीं, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ.आशीष आर्य ने बताया कि सर्पदंश का उपचार केवल एंटी स्नेक वेनम ही है। उन्होंने लोगों से झाडफूंक के चक्कर में पड़कर सर्पदंश के मरीज को सीधे सरकारी अस्पताल में लाने की अपील की।

अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से दोनों को हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। क्षेत्र के गांव बसावनपुर निवासी महेंद्र सिंह पुत्र राम किशन उम्र लगभग 55 वर्ष बाइक द्वारा किसी कार्य से धामपुर गया था। देर शाम वह धामपुर से अपने घर वापस लौट रहा था। बताया जाता है कि जब उसकी मौहल्ला नौधा के पास पहुंची तो वह ई रिक्शा में टक्कर लगने से नीचे गिर गया । जिससे वह घायल हो गया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके अलावा गांव शमशाबाद निवासी देवेंद्र पुत्र शीशराम उम्र 48 वर्ष भी सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कार टक्कर से बाइक सवार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। मजदूरी कर नहटौर से घर लौट रहे बाइक सवार ग्राम बूढ़पुर निवासी मोनू सैनी (32) पुत्र शंकर सैनी की बाइक में सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। घटना में मोनू की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर परिजनों सहित सैकड़ो ग्रामीण मौके पर पहुंचे जिससे सडक पर जाम जैसी स्थित बन गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव उठाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने मुआवजे व उचित कानूनी कार्रवाई को लेकर शव नहीं उठने दिया। मौके पर पहुंची एसडीएम धामपुर स्मृति मिश्रा, एएसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव, सीओ अभय कुमार पांडे ने परिजनों व ग्रामीणों को मुआवजे व कार्रवाई का आश्वासन दिया जिस पर ग्रामीण सहमत हो गए। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक अपने पीछे पत्नी व तीन बेटों को रोते बिलखते छोड गया।

चोरी के सामान के साथ युवक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव निवासी एक युवक को स्थानीय पुलिस ने चोरी का बंद है वह अन्य सामान के साथ रंग हाथ गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर चालान किया है। बताया जाता है कि नगर के मोहल्ला नौमी निवासी असलम पुत्र कमरुद्दीन ने मंगलवार को बढ़ापुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह थाना क्षेत्र के गांव मुजफ्फरनगर के समीप एक धर्म कांटा चलता है जहां पर उसके ट्रैक्टर आदि खड़े रहते हैं वहीं पास के गांव रसूलपुर निवासी जीशान पुत्र हकदार खान द्वारा उसके ट्रैक्टर का बैटरी एक लोहे की पट्टी चोरी कर ली गई है नामजद तहरीर मिलने के बाद बढ़ापुर पुलिस हरकत में आई और घटना में नाम तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा उसकी निशानदेही पर चोरी हुए बैटरी का लोहे के पत्ते को बरामद करते हुए नाम से आरोपी जीशान पुत्र हकदार खान के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए चालान कर दिया है थाना बढ़ापुर पुलिस द्वारा जीशान का चालान करने की पुष्टि की गई है।

पत्नी ने नहीं खोला दरवाज़ा, पति ने खुद को आग लगाई, उपचार के दौरान मौत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दीपावली की रात नंदग्राम थाना क्षेत्र के नूरनगर में एक पारिवारिक विवाद ने दुःखद अंत ले लिया। पत्नी द्वारा दरवाज़ा न खोलने से क्रोधित और शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने स्वयं पर डीज़ल छिड़क कर आग लगा ली।

गंभीर रूप से झुलसे युवक ने पड़ोसियों से मदद की गुहार लगाई, जिन्होंने आग बुझाकर उसे अस्पताल पहुँचाया। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान मंगलवार दोपहर उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान टिंकू कुमार (मूल निवासीः गाँव बहादुरपुर, थाना सरधना, मेरठ) के रूप में हुई है, जो कई वर्षों से नूरनगर, नंदग्राम थाना क्षेत्र में मज़दूरी करता था और अपनी पत्नी तथा बच्चों के साथ रहता था। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि पिछले डेढ़ माह से टिंकू का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था, जिसके कारण वह अधिकांश समय घर से बाहर ही रहता था।

पड़ोसियों के अनुसार, दीपावली की रात लगभग दो बजे, शराब के नशे में टिंकू अपनी पत्नी को मनाने घर पहुँचा। उसने दरवाज़ा खोलने का प्रयास किया, लेकिन पत्नी ने दरवाज़ा नहीं खोला। टिंकू अपने साथ एक बोतल में डीज़ल भी लाया था और उसने पत्नी को डराने के लिए स्वयं को आग लगाने की धमकी दी। पत्नी द्वारा दरवाज़ा न खोलने और उसकी धमकी को अनसुना कर देने पर, टिंकू ने डीज़ल छिड़ककर स्वयं को आग लगा ली।

आग लगते ही टिंकू चीखता हुआ अपनी जान बचाने के लिए किराए के मकान की ओर दौड़ा और दरवाज़ा पीटा। दरवाज़ा न खुलने पर उसने आस-पास के मकानों के दरवाज़े पीटकर मदद की गुहार लगाई। पड़ोसियों ने शोर सुनकर बाहर निकलकर तुरंत कपड़े और मिट्टी डालकर आग बुझाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि टिंकू लगातार 'मुझे आज बचा लो कोई...' चिल्ला रहा था। आग बुझाने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (डायल 112) को सूचना दी। पुलिस ने गंभीर रूप से झुलसे टिंकू को ज़िला अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में स्थानांतरित (रेफर) कर दिया गया।

दिल्ली में उपचार के दौरान मंगलवार दोपहर टिंकू कुमार की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुँचे मृतक के परिजनों ने पत्नी पर आग लगाने का आरोप लगाया है। हालांकि, सीओ उपासना पांडेय ने स्पष्ट किया है कि सीसीटीवी फुटेज में टिंकू को स्वयं डीज़ल डालते और माचिस जलाकर आग लगाते हुए देखा गया है।

एसपी सिटी, धवन जायसवाल ने इस संबंध में कहा, 'नंदग्राम क्षेत्र के नूरनगर में एक युवक ने पत्नी से विवाद के चलते खुद को आग लगा ली। आस-पास के सीसीटीवी खंगाले गए हैं, वह अपने साथ बोतल में डीज़ल लाया था। दिल्ली से युवक की मौत की सूचना देर शाम मिली है।

मामले की गहन जाँच की जा रही है।' पुलिस इस घटना के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पीएसी के जवानों और पुलिस ने किया सघन फ्लैग मार्च

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

पुलिस चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने पुलिस और पीएसी के जवानों के साथ नगर में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान उन्होंने झालू बाजार में व्यापारियों से मुलाकात कर अपील भी की।

उन्होंने कहा - "यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।"पुलिस ने व्यापारियों सहित नगर वासियों को आश्वासन दिया कि जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर स्थिति में पुलिस उनके साथ है।बताते चलें कि बीते दिनों नगर में शराब पीने को मना करने की बात पर दो अलग-अलग समुदाय के युवाओ में जमकर मारपीट हो जाने पर नगर का माहोल गरमा गया था।

थाना प्रभारी व पुलिस चौकी प्रभारी ने घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देकर खुद घटना स्थल पर पहुँचे और हालात को संभाला।

पुलिस की तत्परता तथा सूझ बूझ से नगर को हिंसा की आग में जलने से बचा लिया। नगर में दोनों पुलिस के अधिकारियों की जनता तारीफ कर रही हैं।

गोवर्धन पूजा महोत्सव का डीएम-एसएसपी ने किया शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

हनुमान नगर निवासियों का परंपरागत गोवर्धन पूजा महोत्सव बुधवार को धूम-धड़ाके, अनेक व्यंजनों की महक के मध्य मोतीकुंज रोड पर विजय द्वार-हनुमान नगर चौराहे पर मनाया गया।

इसका शुभारंभ जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने महोत्सव संयोजक/समन्वयक ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ.कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के साथ भव्य गोवर्धन नाथ विग्रह की पूजा-अर्चना-वंदना-परिक्रमा कर किया।

उसके बाद विधायक मेघश्याम सिंह, देवेंद्र कुमार गौतम गुड्डू, वीरेंद्र चौधरी पूर्व सभासद, भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन कौशिक, कर्नल बीपी सिंह, पूर्व आयकर अधिकारी चंद्रपाल पौनिया, विनोद भारद्वाज पूर्व सभासद आदि सैकड़ों भक्तों यहां आकर पूजन किया। ततपश्चात पूजन-परिक्रमा का दौर तेज हो गया।

हनुमान नगर क्षेत्र के नर-नारियों ने गाजे-बाजे के साथ विधि विधान से पूजा कर धर्मलाभ लिया। इस दौरान राधा कृष्ण के स्वरूप लोकगीतों पर नृत्य कर भक्तों के तन मन झंकृत करते रहे। पूजन का आरंभ होने के साथ ही विविध प्रकार के व्यंजनों की प्रसादी छकने का दौर चल पड़ा। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अन्नकूट प्रसाद, काफी का आनन्द लिया। महोत्सव में ढ़ोल-नगड़े, वाद्य यंत्र निरंतर भक्तिरस की बरसात करते रहे। महोत्सव में अनेक राजनेता, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों, समाजसेवियों, धर्मज्ञों ने भाग लिया।

समझौता न करने पर दबंग ने प्रॉपर्टी डीलर पर फिर चलाई गोली

नौ सितंबर को आरोपी ने चलाई थी गोली, वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

टीला मोड़ थाना क्षेत्र के गगन विहार में दीवाली की रात एक प्रॉपर्टी डीलर और उनकी पत्नी पर फायरिंग की गई। आरोपी ने पीड़ित पर नौ सितंबर को भी गोली चलाई थी। समझौता न करने पर दोबारा हमला किया।

फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में प्रॉपर्टी डीलर की ओर से चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है। गगन विहार में रहने वाले मनीष कुमार प्रॉपर्टी डीलर हैं। मनीष की कॉलोनी में अमन अधाना की मौसी रहती हैं, जिसके कारण अमन का कॉलोनी में आना जाना है।

कुछ समय पहले कॉलोनी में हुए एक मामले में बीच-बचाव को लेकर अमन और मनीष के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद से अमन मनीष से रंजिश मानने लगा। अमन ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर नौ सितंबर को अमन पर हमला किया था।

मामले में मनीष की ओर से रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने अमन और उसके साथी को गिरफ्तार किया था। इससे अमन गुस्से में था।

आरोप है कि दीवाली की रात अमन अपने साथियों राजेश फौजी उसकी पत्नी अनिता और जगवीर सिंह के साथ गगन विहार पहुंचा था। मनीष के अनुसार वह अपनी पत्नी दर्शना और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर के दरवाजे पर खड़े थे।

उन्हें देखकर अमन ने अपनी बाइक रोक ली और मुकदमा वापस लेने के लिए कहने लगा। मना करने पर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अमन ने पिस्टल निकाल ली और उन पर सीधा फायर किया।

गनीमत रही कि निशाना चूक गया, जिसके चलते उन्हें गोली नहीं लगी। इसके बाद भीड़ जमा हो गई। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। पूरी घटना घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

मनीष ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपते हुए अमन, राजेश, जगवीर और अनिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जन्मजात शारीरिक दोष से जूझ रहे साढ़े 5 हजार बच्चे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले में 5656 बच्चे 4डी यानि जन्मजात शारीरिक दोष से जूझ रहे हैं। राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत कराए गए सर्वे में इन बच्चों को चिह्नित किया गया है। जिले में 1.17 लाख बच्चों की स्क्रीनिंग हुई। इसके बाद 5379 बच्चों का इलाज चल रहा है।

राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्र में 15 और शहरी क्षेत्र में चार डॉक्टर तैनात है। इनके साथ आशा, एएनएम और एआरओ द्वारा 904 स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में सर्वे करके बच्चों को चिन्हित किया है। एक अप्रैल 2025 से सितंबर 2025 में 1,17,173 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग में 4डी के तहत बच्चों में चार प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं जन्म के समय दोष (डिफेक्ट एट बर्थ), रोग (डिजीज), कमियां (डिफिशिएंसी), विकासात्मक देरी की पहचान करना और उनके लिए प्रारंभिक हश्तक्षेप सुनिश्चित करना (डेवलपमेंट डिले एंड डिसेबिलिटी)।

इन समस्याओं में 5656 बच्चों को चिन्हित किया गया। सभी बच्चों को स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों से उपचार के लिए सीएचसी या फिर अस्पतालों के लिए रेफर किया गया। कुल 5379 बच्चों का इलाज शुरू कर दिया गया है। शून्य से 18 साल के बच्चों की स्क्रीनिंग आमतौर पर राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत जन्म से 18 साल के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता शून्य से छह सप्ताह के बच्चे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शून्य से छह वर्ष के बच्चे) और स्कूल शिक्षक छह से 18 वर्ष के बच्चों की स्वास्थ्य जांच करते हैं। बच्चों की 32 सामान्य स्वास्थ्य स्थितियों की जांच की जाती है ताकि बीमारियों का शीघ्र पता लगाया जा सके। यदि किसी बच्चे में कोई समस्या पाई जाती है, तो उसे आगे की जांच और उपचार के लिए डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर या अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा जाता है।

4डी के तहत जिले में चिन्हित बच्चे ब्लॉक स्क्रीनिंग चिन्हित बच्चे उपचारित लोनी 21855 994 958 मुरादनगर 16418 959 920 रजापुर 22561 1070 1017 भोजपुर 21550 998 972 मोहननगर 11819 479 433 विजयनगर 11424 581 532 कविनगर 11546 595 547 कुल योग 117173 5656 5379 4डी का मतलब डिफेक्ट एट बर्थ- जन्म के समय पाई जाने वाली जन्मजात शारीरिक विकृतियां जैसे पैर टेढ़े होना, घुटने अंदर और बाहर की तरफ झुकना। डिजीज- बच्चों में होने वाली सामान्य बीमारियां।

डिफिशिएंसी- पोषण या अन्य कमियों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं। डेवलपमेंट डिले एंड डिसेबिलिटी- बच्चों के विकास में देरी, जिसमें विकलांगता भी शामिल है।

दीपावली पर गए परिवार के घर 25 तोले सोने की चोरी, ज्वेलरी गायब

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जहां एक ओर दीपावली के मौके पर लोग पर्यटन स्थलों या रिश्तेदारों के यहां छुट्टियां मनाने जाते हैं, वहीं दूसरी ओर शातिर चोर ऐसे सूने घरों को निशाना बनाकर चोरी की बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

ऐसा ही एक ताजा मामला गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र के रफीकाबाद, डासना से सामने आया है, जहां एक परिवार के घर से लगभग 25 तोले सोने की चोरी हो गई।

पीड़ित परिवार दीपावली की छुट्टी मनाने के लिए अपने रिश्तेदारों के यहां गया हुआ था और उनका घर बंद था। इसी मौके का फायदा उठाते हुए शातिर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर की छत पर पड़ी लोहे की जाली को काटकर घर में प्रवेश किया।

जब आज (बुधवार, 22 अक्टूबर) तड़के पीड़ित परिवार अपने घर वापस लौटा, तो घर का सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। परिजनों ने पाया कि चोरों ने लगभग 25 तोले सोने (जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है) की ज्वेलरी और कुछ नगदी पर हाथ साफ कर दिया था। तत्काल इस घटना की सूचना मसूरी थाने की पुलिस को दी गई। मसूरी थाने की पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग मिल सके।

डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप में परिजनों ने किया अस्पताल पर हंगामा:

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नूरपुर स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल में मंगलवार रात एक जच्चा के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। जिसके कारण एक जच्चा की हालत नाजुक बताई जा रही है। जच्चा को नाजुक हालत में रेफर करने का आरोप लगाया गया है। मौके पर पहुंचीं डायल 112 पुलिस ने मामले को शांत कराया।

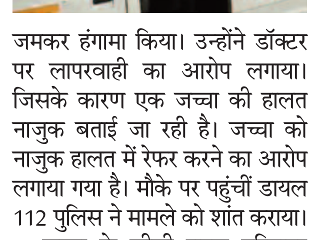

जच्चा के जीजी राहुल दरियापुर निवासी ने आरोप लगाया मंगलवार सुबह उनकी साली प्रवेश को यहां आयुष्मान हास्पिटल में ऑपरेशन के लिए लाया गया था। डॉक्टर ने बताया था कि बच्चा मर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने महिला का गलत ऑपरेशन किया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

गंभीर हालत को देखते हुए महिला को बिजनौर रेफर किया गया है। बोले पहले दो बोतल खून लाने को कहां जैसे तैसे हमने इंतजाम कर दिया। उसके बाद बोले एक बोतल की ओर जरूरत है जल्दी लाओ हमने उसका भी इंतजाम किया। उसके बाद बोलते हैं दो बोतल खून और लाकर दो अब रात में कहां से लाए बोले नहीं तो इसे ले जाओ।

सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हश्तक्षेप कर मामले को शांत कराया। इस दौरान, परिजनों ने ऑपरेट हुई महिला को कुछ भी अनहोनी होने पर डॉक्टर को देख लेने की धमकी भी दी।

यह पूरा मामला बिजनौर के थाना नूरपुर क्षेत्र के चांदपुर रोड स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल का है। मामले में कस्बा इंचार्ज नूरपुर श्रीकांत सत्यार्थी ने बताया कि हमारे पहुंचने से पहले मौके पर डायल 112 पुलिस गई थी महिला को रात ही बिजनौर रेफर कर दिया था।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, पति और देवर पुलिस हिरासत में

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के पति और देवर को हिरासत में ले लिया है। यह घटना बुधवार की सुबह सामने आई।

मृतका की पहचान नूरपुर थाना क्षेत्र के मूसेपुर निवासी नोबहार की 20 वर्षीय पुत्री पूजा के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब दस महीने पहले स्योहारा थाना क्षेत्र के मधेपुरा निवासी प्रिंस पुत्र दयाराम से हुई थी।

घटना की सूचना मिलते ही स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे भी घटनास्थल पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर बारीकी से जांच करवाई। पुलिस ने कमरे से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर लिया है।

पुलिस ने मृतका के पति प्रिंस और उसके छोटे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस दहेज, पारिवारिक कलह या मानसिक तनाव सहित सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

महिला ने दो पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

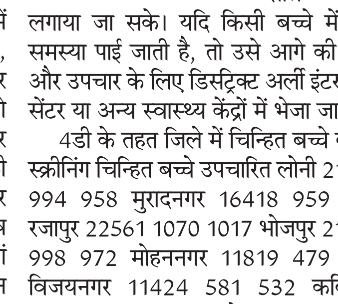

नगीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव निवासी एक महिला ने बढ़ापुर थाना क्षेत्र के दो व्यक्ति पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर बढ़ापुर पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर बढ़ापुर पुलिस ने नामजद दोनो व्यक्ति को तत्काल हिरासत में ले लिया था।

दो दिन हिरासत में रखने के बाद बुधवार को दोनो व्यक्ति को छोड़ दिया। जबकि चर्चा है कि उक्त प्रकरण में नगर के एक सफेदपोश के जरिये पांच लाख रुपये के लेनदेन के बाद मामला रफादफा किया गया है। परन्तु प्रकार के मामले से पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रहा है। बताया जाता है कि नगीना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला जो कि शादी विवाह के कार्यक्रम में आये मेहमानों के स्वागत में फूल फेंकने का काम करती है।

जो कि अपने इसी कार्य से अपने परिवार का पालन पोषण करती है। इसी कारण नगर सहित आसपास के इलाकों में बने बारातघर स्वामी व उनपर काम करने वाले मजदूरों के सम्पर्क में रहती थी। रविवार को उक्त महिला को नगर के बारातघर में काम करने वाले एक कारीगर ने फोन करके बताया कि एक बुकिंग के लिये मेहमानों के स्वागत के लिये एक फूल फेंकने वाली महिला की जरूरत है यदि वह खाली हो तो आकर काम करके अपनी मजदूरी ले जाये। जिसके बाद महिला तयशुदा समयानुसार बारातघर पर काम करने वाले कर्मचारी के बताए स्थान पर पहुच गई।

परन्तु कर्मचारी द्वारा उसे बताया गया कि आज का कार्यक्रम किसी बारातघर में नही है अपितु एक गांव में ही है। जिसके लिये उसे बाइक से गांव तक जाना होगा। जिसके बाद कर्मचारी उसे अपने साथ बाइक पर बैठाकर नगर की सीमा से सटे एक गांव में एक सुनसान जगह पर ले गया।

जहां पर पहले से ही मौजूद उसके एक साथी ने महिला को पकड़कर जबरन उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे डाला। इससे पहले की महिला कुछ समझपाती हवस के भूखे भेड़ए उसकी इज्जत को तार तार कर चुके थे।

अपने साथ हुई इस घटना से सन्न महिला ने बढ़ापुर पहुचते ही घटना की लिखित शिकायत बढ़ापुर पुलिस को सौंप कर मदद की गुहार लगाई। जिस पर बढ़ापुर पुलिस ने महिला की शिकायत पर नामजद दोनो लोगो को हिरासत में तो ले लिया परन्तु महिला की रिपोर्ट दर्ज करना गंवारा नही किया। जिसके बाद नगर के एक सफेदपोश के जरिये मामले को रफादफा करने की कोशिशें शुरू हो गई। इसके साथ ही महिला को उक्त मामले को निपटाने के लिये रुपयों को लालच भी दिया जाने लगा।

चर्चा है कि बुधवार को बढ़ापुर पुलिस द्वारा मामले को रफादफा कर दिया गया। जिसके एवज में दोनों व्यक्ति द्वारा पांच लाख रुपये का भुगतान किया गया। एक महिला की इज्जत आबरू की कीमत पांच लाख रुपये लगाने वाले एक बार फिर किसी अन्य महिला को अपनी हवस का शिकार बनायेगे फिर लाखो रुपये खर्च जेल से बच जायगे। परन्तु पुलिस का यह ढुलमुल रवैया तथा दुष्कर्म के आरोपियों को अभयदान देना पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है।

इस बाबत जब थाना प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि महिला की वीडियो बनवाई गई है जिसमे महिला ने बताया कि उसने जिस वकील साहब से तहरीर लिखवाई थी। उन्होंने अपनी औऱ से क्या लिखा मुझे मालूम नही तथा घटना से इनकार किया है। पांच लाख रु का सवाल करते ही कोतवाल ने इनकार करते हुए खामोशी इख्तियार कर ली।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	ओएचई/केकेडीई, ओएचई/पीएनपी और ओएचई/एनयूआर के अधिकार क्षेत्र में टीआरडी परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में विविध कार्य ।
2	अनुमानित लागत	Rs. 84,63,877.23/-
3	बयाना राशि	Rs. 1,69,300/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	03.11.2025 (10:30 बजे) से 17.11.2025 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	17.11.2025 (15.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	07041032
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 25-क.वि.–नई दिल्ली–2025–26 दिनांक : 21.10.2025 3267/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

शुद्धिपत्र

File No. No. 1C-MG/Electronic Lock/NMG Wagon (Part-1)

यह शुद्धिपत्र, विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित 'अभिरुचि की अभिव्यक्ति संख्या 3260/2025' के संदर्भ में जारी किया जाता है, जिसे पहले एक (01) वर्ष की अवधि के लिए 01 (एक) एनएमजी रेक पर, विभिन्न प्रकार के 12 ई–लॉक (06 ई–लॉक स्थायी रूप से दरवाजे पर फिट होने वाले प्रकार के और 06 ई–लॉक पैडलॉक प्रकार के) की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव की पायलट परियोजना के लिए 'अभिरुचि की अभिव्यक्ति' के लिए आमंत्रित किया गया था, अब तकनिकी कारणों से, शुधिपत्र के माध्यम से इसमे विभिन्न संशोधन किये गए हैं:

- अब यह अभिरुचि की अभिव्यक्ति, एक (01) वर्ष की अवधि के लिए 01 (एक) एनएमजी रेक पर **25 ई–लॉक्स (पैडलॉक प्रकार के)** की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव की पायलट परियोजना के लिए आमंत्रित की जाती है।

शेष अभिरुचि की अभिव्यक्ति उसी प्रकार रहेगी, जो अभिरुचि की अभिव्यक्ति संख्या 3260/2025 में प्रकाशित की गई थी। अभिरुचि की अभिव्यक्ति की विस्तृत जानकारी उत्तर रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। अभिरुचि की अभिव्यक्ति को जमा करने की अंतिम तिथि 29.10.2025 को 15:00 बजे तक है। 3271/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

सोने की बढ़ती कीमतें : आर्थिक विश्लेषण

अक्टूबर 2025 में सोने के दामों के आसमान छूने की खबरें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हैं। यह वृद्धि केवल मौसमी या सीमित आर्थिक कारकों का परिणाम नहीं, बल्कि गहराई से जुड़े वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों, मौद्रिक असंतुलनों और राजनीतिक अस्थिरताओं की परिणति है। वर्तमान में सोना एक बार फिर वैश्विक वित्तीय सुरक्षा के प्रतीक के रूप में उभरकर सामने आया है।

वर्तमान विश्व अर्थव्यवस्था एक संक्रमणकाल से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध का लंबा खिंचाव, मध्यपूर्व में अस्थिरता, चीन की मंद पड़ती विकास दर और यूरोप में उभरती आर्थिक सुस्ती ने वैश्विक पूंजी बाजारों को अस्थिर कर दिया है। जब भी इस प्रकार की परिस्थितियां बनती हैं, तो निवेशक, डॉलर या शेयर बाजार की अपेक्षा सोने जैसे स्थायी मूल्यवाली परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। यह व्यवहार सुरक्षित निवेश की अवधारणा को सशक्त करता है। वर्तमान में डॉलर की कमजोरी ने इस उछाल को और बल दिया है।

डॉलर इंडेक्स में वर्ष 2025 के दौरान लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिसने सोने की कीमतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा उठाया। अमेरिकी मुद्रा की इस गिरावट के पीछे अनियंत्रित मुद्रास्फीति, फेडरल रिजर्व की सस्ती मौद्रिक नीति, बढ़ता राजकोषीय घाटा, सरकारी ऋण में वृद्धि तथा वैश्विक व्यापार में कई देशों द्वारा डॉलर के विकल्प तलाशने जैसी प्रवृत्तियां जिम्मेदार रही हैं। ब्रिक्स देशों द्वारा अपने पारस्परिक व्यापार में डॉलर के स्थान पर स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की नीति डी-डॉलराइजेशन की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जिससे डॉलर की मांग में निश्चित तौर पर कमी तथा परिणामस्वरूप अप्रत्यक्ष रूप से सोने की मांग में वृद्धि होना स्वाभाविक है। वहीं अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की पुनर्वापसी ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को और अधिक जटिल बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।

निवेशकों ने इस नीतिगत अनिश्चितता को जोखिम के रूप में देखा, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने अपनी पूंजी को सोने जैसे स्थायी विकल्पों में स्थानांतरित किया। डी-डॉलराइजेशन की इस प्रक्रिया ने अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक संगठनों को भी प्रभावित किया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपने विशेष आहरण अधिकार बास्केट में चीनी युआन को अधिक महत्व देना शुरू किया है। यह प्रतीकात्मक कदम वैश्विक वित्तीय संतुलन में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देता है, जिसमें विश्व एक बहुध्रुवीय मौद्रिक व्यवस्था की ओर अग्रसर है।

इसी क्रम में विश्व बैंक तथा एशियाई विकास बैंक ने भी अपनी परियोजनाओं में सोना आधारित ऋण सुरक्षा को मान्यता देना प्रारंभ किया है। यह दर्शाता है कि सोना अब केवल आभूषण या निवेश नहीं, बल्कि एक संस्थागत वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में स्वीकृति प्राप्त कर चुका है। इतना ही नहीं, बल्कि ब्रिक्स समूह का न्यू डेवलपमेंट बैंक भी इस परिवर्तन का सशक्त बना रहा है।

डॉलर आधारित अस्थिरता से बचने के लिए इस बैंक ने सदस्य देशों को अपनी विदेशी मुद्रा भंडार नीति में कम से कम 20 प्रतिशत हिस्सा सोने के रूप में रखने का सुझाव दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में स्वर्ण भंडार में क्रमिक वृद्धि आरंभ की है, जिससे वह वैश्विक स्वर्ण संतुलन में प्रतिस्पर्धी बने रहने की दिशा में अग्रसर है। डॉलर की गिरावट का भारत की अर्थव्यवस्था प्रभाव की बात करें तो यह प्रभाव दोहरा प्रतीत होता है। एक ओर जहां अंतरराष्ट्रीय श्तर पर सोने की कीमतों में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी तरफ रुपए की कमजोरी से आयात लागत में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। परिणामस्वरूप भारत का चालू खाता घाटा बढ़ा है, जिसमें अकेले सोने का आयात बिल 50 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है, जो आर्थिक प्रबंधन के लिए गंभीर चुनौती प्रश्तुत करता है।

सरकार ने इस स्थिति को संतुलित करने के लिए स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, गोल्ड बॉन्ड स्कीम तथा भारतीय स्वर्ण विनिमय जैसी योजनाएं आरंभ की हैं जिनका उद्देश्य लोगों को भौतिक सोना खरीदने के स्थान पर वित्तीय रूप में निवेश हेतु प्रोत्साहित करना तथा देश के अंदर जमा सोने को आर्थिक रूप से उपयोग में लाना और सोने के आयात पर निर्भरता कम करना है। हालांकि, सोने की बढ़ती कीमतों का भारत की अर्थव्यवस्था पर एक जटिल प्रभाव है। एक ओर यह निवेशकों को स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करता है, तो दूसरी ओर यह उत्पादक निवेशों से पूंजी को दूर करता है।

जब अधिक पूंजी सोने में लगाई जाती है, तो औद्योगिक क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन प्रभावित होते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि भारत की नीतियां भौतिक सोने की बजाय वित्तीय सोने की दिशा में जनविश्वास बढ़ाने पर केन्द्रित होनी चाहिए। वर्तमान में वैश्विक बाजार दो विरोधाभासी प्रवृत्तियों कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों का विश्तार तथा वाश्तविक परिसंपत्तियों में पुनः निवेश की प्रवृति की स्थिति से गुजर रहा है। निवेशक अब वर्चुअल ग्रोथ की अपेक्षा वाश्तविक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह मानसिकता परिवर्तन इस बात का द्योतक है कि सोना भविष्य में केवल मूल्य संरक्षक नहीं, बल्कि विश्वास की मुद्रा के रूप में पुनः स्थापित हो सकता है।

यदि आने वाले समय में ट्रम्प प्रशासन की नीतियां और कठोर होती हैं तथा डॉलर और गिरता है, तो आईएमएफ और ब्रिक्स जैसे संस्थानों की समानांतर भूमिका अत्यधिक प्रभावी होने की संभावना है। इससे एक नई वैश्विक संतुलन प्रणाली उत्पन्न हो सकती है जिसमें सोना विश्व का तटस्थ मूल्य मापदंड बन सकता है। पूरे परिप्रेक्ष्य को यदि अर्थशास्त्रीय दृष्टि से देखा जाए तो सोने की यह बढ़त केवल बाजार की अस्थायी हलचल नहीं, बल्कि विश्व आर्थिक संतुलन में गहरे परिवर्तन का संकेत है।

डॉलर की गिरावट, अमेरिकी नीतिगत अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक संस्थाओं के पुनर्संरचनात्मक प्रयासों ने मिलकर सोने को पुनः वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के केंद्र में ला दिया है। अतः संक्षेप में कहा जा सकता है कि 2025 में सोने की कीमतों का उछाल केवल आर्थिक घटना नहीं, बल्कि एक युगीन परिवर्तन का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में सोना केवल धातु नहीं रहेगा, बल्कि विश्व की आर्थिक स्थिरता और विश्वास का दर्पण बनकर उभरेगा।

नफ़रत के सौदागरों, सद्भावना पंजाब से सीखो

निर्मल रानी

आज जबकि देश के किसी न किसी भाग से नफ़रत, हिंसा, दंगा, फ़साद, मॉब लिंचिंग, मस्जिद, नमाज़, अज़ान के विरोध व समुदाय अथवा सम्प्रदाय विशेष को लक्षित कर सरे आम नफ़रती भाषणबाज़ी करने जैसी ख़बरें सुनाई देती हों ऐसे समय में जब देश के किसी भी कोने से साम्प्रदायिक सद्भाव व सामाजिक एकता की कोई ख़बर सुनाई दे।

तो निश्चित रूप से ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सदियों से सांझी तहज़ीब व विरासत के साथ रहना वाले हमारे देश भारत में साम्प्रदायिक ताक़तों की तमाम सक्रियता व कोशिशों के बावजूद यहाँ तक कि सत्ता संरक्षित ऐसे दुष्प्रयासों के बाद भी अभी भी हमारे देश में साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ठंडी व सुकून बख़्शने वाली हवा चल रही है। और निश्चित रूप से यही सुकून बख़्श सद्भावना पूर्ण ठंडी हवा हमारे देश की 'अनेकता में एकता' जैसी विश्वव्यापी अवधारणा को प्रमाणित करती है। हालाँकि देश के अनेक राज्य अनेकता में एकता के तमाम ऐतिहासिक, आध्यात्मिक व धार्मिक उदाहरण पेश करते हैं परन्तु पंजाब जैसी संतों व पीरों फ़क़ीरों की पावन धरती ने इस विषय में हमेशा से ही अपना अग्रणी किरदार निभाया है।

उदाहरण के तौर पर जब पांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव जी ने 1588 में स्वर्ण मंदिर की संग ए बुनियाद रखी तो इस पुनीत कार्य के लिये उन्होंने उस समय के सुप्रसिद्ध क़ादिरी सूफ़ी फ़क़ीर मियां मीर बख़्श उर्फ़ 'मियां मीर' को चुना। गुरु अर्जन देव और मियां मीर के बीच गहरी आध्यात्मिक मित्रता थी।

उस दौर में मियां मीर को उनकी पवित्रता, भक्ति और मानवता के लिए विश्वव्यापी सम्मान प्राप्त था। गुरु अर्जन देव जी ने सिख धर्म की सर्वधर्म समभाव की मूल भावना को दुनिया को दिखाने के लिये ऐसा किया था। ऐसा कर गुरु अर्जन देव ने यह साबित कर दिया कि सिख धर्म की बुनियाद प्रेम, एकता और भाईचारे पर आधारित है।

सिखों के विश्व के सबसे बड़े धार्मिक स्थल की बुनियाद मियां मीर जैसे मुस्लिम सूफ़ी संत से रखवाए जाने पर निःसंदेह पूरे विश्व में यह संदेश गया कि सिख धर्म सभी धर्मों का सम्मान करता है और मानवता को एकजुट करने में विश्वास रखता है। इसी तरह पहले सिख गुरु, गुरु नानक दे० जी का भी अनेक मुस्लिमों फ़क़ीरों से गहरा प्यार था।

इनमें मुस्लिम समुदाय से ही सम्बन्ध रखने वाले मर्दाना का नाम ख़ासतौर पर सिख इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाता है। गुरु नानक व मर्दाना के बीच गहरा आध्यात्मिक और मैत्रीपूर्ण संबंध था। मर्दाना की सादगी, भक्ति और गुरु नानक के प्रति निष्ठा ने उन्हें सिख इतिहास में विशेष स्थान दिलाया। मर्दाना गुरु नानक के साथ लगभग 27 वर्षों तक रहे।

इसी तरह 1705 में घटी सरहिंद की वह घटना इतिहास में एक मील के पत्थर के समान है जिसमें मलेरकोटला के नवाब शेर मुहम्मद ख़ान ने औरंगज़ेब के शासनकाल के तत्कालीन न्यायाधीश वज़ीर ख़ान के उस आदेश का अदालत में खड़े होकर सार्वजनिक तौर पर विरोध किया था जिसमें गुरुगोविंद सिंह के दो बच्चों 9 वर्षीय साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह और 7 वर्षीय साहिबज़ादा फ़तेह सिंह को दीवार में ज़िंदा चुनवाने का हुक्म दिया गया था।

इस क्रूर सज़ा का तत्कालीन नवाब मलेरकोटला शेर मोहम्मद ख़ान ने यह कहते हुये विरोध किया था कि मासूम बच्चों को मारना इस्लाम की शिक्षाओं के विरुद्ध है। उन्होंने तर्क दिया था कि युद्ध के नियमों में महिलाओं और बच्चों को नुक़्सान नहीं पहुंचाया जाता, और यह कृत्य धार्मिक रूप से अनुचित है। यही वजह है कि मलेरकोटला आज भी पंजाब का ऐसा मुस्लिम बहुल क्षेत्र है जहां हिंदू, सिख और मुस्लिम हमेशा शांति से रहते आ रहे हैं।

यहाँ तक कि 1947 के भारत-पाक विभाजन के दौरान जब पंजाब के बड़े इलाक़े में भयानक दंगे हुए उस समय भी मलेरकोटला में कोई हिंसा नहीं हुई। यहाँ के सिखों ने मलेरकोटला के मुस्लिमों की न केवल रक्षा की बल्कि उन्हें पाकिश्तान की ओर कुछ भी नहीं करने दिया।

क्योंकि वे गुरु गोविंद सिंह के दोनों साहबज़ादों को दीवार में ज़िंदा चुने जाने के नवाब के विरोध को हमेशा याद रखते आ रहे हैं। यहां तक कि 1947 में पड़ोसी क्षेत्रों से भागे मुस्लिमों को भी मलेरकोटला में शरण तक मिली थी।

साम्प्रदायिक सद्भावना की मिसाल पेश करने वाली पंजाब की इसी पवित्र धरती से पिछले दिनों एक और ख़ुशगवार ख़बर सुनाई दी। यहाँ के मशहूर शहर पटियाला के निकट एक गांव में 18वीं-19वीं शताब्दी की बताई जा रही एक मस्जिद जोकि देश के विभाजन के बाद से सुनसान पड़ी थी।

उस वीरान मस्जिद भवन को स्थानीय सिख परिवारों संभाल रखा था। क्योंकि आसपास मुस्लिम आबादी की कमी थी जिससे यहाँ नमाज़ की अदायगी नहीं हो पा रही थी। विगत 21 अक्टूबर को सरपंच हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में सिख समुदाय ने औपचारिक रूप से इस मस्जिद को स्थानीय मुस्लिम परिवारों और वक़्फ़ बोर्ड को सौंप दिया।

सिखों ने न केवल मस्जिद व उसकी ज़मीन वापस की बल्कि इस जीर्ण अवस्था की मस्जिद के जीर्णोद्धार हेतु 5 लाख रुपये का योगदान भी दिया। इस घटना पर केवल मुस्लिम या सिख ही नहीं बल्कि स्थानीय हिंदू समुदाय द्वारा भी ख़ुशी मनाई गयी और सब ने मिलकर मिठाइयां बांटकर इस अवसर पर सामूहिक रूप से जश्न मनाया। अब यहां मुस्लिम समाज द्वारा रोज़ाना नमाज़ अदा की जा रही है।

ऐसी ही ख़बर अमृतसर ज़िले की अजनाला तहसील के रायज़ादा गांव से आई। रावी नदी के तट पर बसे इस गांव में एक मस्जिद 1947 से बंद पड़ी थी। लगभग खंडहर का रूप ले चुकी इस मस्जिद को भी स्थानीय सिख किसानों ने संभाल रखा था परन्तु नमाज़ के लिए इसका भी उपयोग नहीं हो रहा था।

गत 21 अक्टूबर को ही यहां के सरपंच सरदार ओमकार सिंह के नेतृत्व में सिख, हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और दलित समुदाय के लोगों ने मिलकर इस मस्जिद को मुस्लिम समुदाय को सौंप दिया। और विगत शुक्रवार को विशेष जुमे की नमाज़ के दौरान पहली बार यहां अज़ान की आवाज़ सुनाई दी। इस में सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस मस्जिद के जीर्णोद्धार में 8 लाख रुपये ख़र्च हुए, जिसमें आधे से अधिक रक़म का योगदान सिख भाइयों द्वारा किया गया।

अब यहाँ प्रतिदिन पास ही स्थित गुरुद्वारे से गुरबानी की और मस्जिद से अज़ान की आवाज़ें एक साथ गूंजती है, जो सद्भाव की अनोखी तस्वीर पेश करती है। यहाँ भी सभी समुदाय के ग्रामवासियों ने इस अवसर पर जश्न मनाया और मिठाइयां बांटकर उत्सव मनाया। पंजाब व हरियाणा में भी पूर्व में इसी तरह की कई ख़बरें आती रही हैं।

ऐसी ख़बरें उन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के लिये सबक़ सीखने वाली हैं जिन्हें संस्कारों में नफ़रत हिंसा और विद्वेष में ही हासिल हुआ है। आज टी वी डिबेट में ज़हरीली ख़बरों में, धर्मगुरुओं के बयानों में नेताओं के भाषणों में हर जगह प्रायः नफ़रत ही परोसी जा रही है।

नफ़रत के ऐसे सौदागरों को और राष्ट्र विभाजक तत्वों को दरअसल पंजाब से सद्भावना सीखने की ज़रुरत है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक कंटेंट न देख पाये किशोर

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग में सोशल मीडिया आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बच्चा हो या बड़ा, सबकी दिनचर्या का एक अहम समय इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर बीतता है। लेकिन जैसे-जैसे इस आभासी दुनिया की चमक बढ़ी है, वैसे-वैसे इससे जुड़े खतरे भी गहराते गए हैं।

सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं किशोर, जिनकी सोच, मनोवृत्ति और व्यवहार अभी विकसित हो ही रहे हैं। सोशल मीडिया की चकाचौंध में खोए किशोरों के लिए यह प्लेटफॉर्म कभी-कभी सीख का माध्यम तो बनता है, परंतु कई बार यह मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक असंतुलन का कारण भी बन जाता है। इन्हीं चिंताओं को देखते हुए इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अब 18 वर्ष से कम आयु के किशोर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनक या अनुचित कंटेंट नहीं देख पाएंगे।

यह फैसला केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किशोरावस्था वह समय है जब व्यक्ति का मन सबसे संवेदनशील होता है। इस उम्र में जो कुछ देखा, सुना और महसूस किया जाता है, वही आने वाले जीवन की दिशा तय करता है। सोशल मीडिया पर हिंसक, यौन संकेतक या अवसादपूर्ण सामग्री तक आसान पहुँच बच्चों को अनजाने में ऐसे राश्ते पर ले जाती है जहाँ से लौटना कठिन हो जाता है।

आत्महत्या की प्रवृत्ति, अवसाद, असुरक्षा और आत्मसम्मान की कमी जैसी मानसिक समस्याएँ सोशल मीडिया की असंयमित दुनिया से गहराई तक जुड़ी हुई हैं। ऐसे में मेटा का यह निर्णय निश्चय ही एक जिम्मेदार पहल है।

मेटा ने यह नीति ऐसे समय में बनाई है जब दुनिया भर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर बहस चल रही है। कई देशों की संसदों और अदालतों में सोशल मीडिया कंपनियों से यह पूछा गया कि वे नाबालिगों की मानसिक सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही हैं। इंस्टाग्राम पर किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर कंपनी पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस से लेकर ब्रिटिश संसदीय समितियों तक में यह मुद्दा गूंज चुका है। मेटा के पूर्व कर्मचारियों ने भी यह खुलासा किया था कि इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म किशोरों को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए जानबूझकर ऐसे कंटेंट सुझाता है जो मानसिक रूप से अस्थिर कर सकता है। आलोचनाओं के बाद कंपनी ने 'पैरेंटल सुपरविजन टूल्स' शुरू किए थे, लेकिन वे सीमित थे। अब कंपनी ने इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए "पीजी-13 आधारित कंटेंट फ़िल्टरिंग सिस्टम" लागू करने का निर्णय लिया है।

इस नई व्यवस्था के तहत माता-पिता को यह अधिकार होगा कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रख सकें। 18 वर्ष से कम आयु के यूजर्स को इंस्टाग्राम पर वह सामग्री स्वतः ही नहीं दिखाई देगी जो हिंसक, यौन या आत्मघाती प्रवृत्ति वाली हो।

यह प्रणाली फ़िल्टर के माध्यम से काम करेगी जो हॉलीवुड फिल्मों की PG-13 रेटिंग प्रणाली की तरह होगी। जैसे किसी फिल्म को यह रेटिंग तब दी जाती है जब वह 13 वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिए उपयुक्त मानी जाती है, वैसे ही अब इंस्टाग्राम पर भी कंटेंट की उपयुक्तता उसी मानक से तय की जाएगी। कंपनी का दावा है कि यह फीचर पहले अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में लागू होगा और वर्ष के अंत तक भारत सहित दुनिया भर में लागू कर दिया जाएगा।

यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत सोशल मीडिया यूजर्स के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में है। लाखों किशोर रोजाना इंस्टाग्राम पर सक्रिय हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे सेल्फी पोस्ट करने, रील्स बनाने और लाइक्स पाने की दौड़ में इतने उलझ गए हैं कि वाश्तविक जीवन की संवेदनाएं और प्राथमिकताएं पीछे छूटती जा रही हैं।

किशोरों का आत्ममूल्य अब इस बात से तय होने लगा है कि उन्हें कितने फॉलोअर्स मिले, कितने लोगों ने उनकी पोस्ट को पसंद किया। यह सामाजिक स्वीकृति का नया और खतरनाक रूप है।

जब किसी पोस्ट पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो किशोर आत्मग्लानि और अवसाद में डूबने लगते हैं। कई बार इसी निराशा में वे आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। ऐसे में अगर इंस्टाग्राम किशोरों को आपत्तिजनक सामग्री से दूर रख सके तो यह उनके मानसिक संतुलन और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होगा।

माता-पिता भी इस कदम से राहत महसूस करेंगे। अब उन्हें यह डर नहीं रहेगा कि उनका बच्चा गलती से किसी गलत दिशा में जा रहा है या अश्लील सामग्री के प्रभाव में आ रहा है। "सीमित कंटेंट सेटिंग्स" के ज़रिए वे यह तय कर पाएंगे कि उनके बच्चे को क्या दिखना चाहिए और क्या नहीं।

इससे पारिवारिक संवाद भी बेहतर होगा क्योंकि अभिभावक अब निगरानी के साथ-साथ मार्गदर्शन की भूमिका निभा सकेंगे। बच्चों को भी यह एहसास होगा कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि ज़िम्मेदारी से इश्तेमाल करने का प्लेटफॉर्म है।

फिर भी यह नीति तभी सफल होगी जब तकनीकी सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी बढ़े। केवल फिल्टर लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चे हमेशा तकनीक से एक कदम आगे रहते हैं। वे प्रतिबंधों को पार करने के तरीके खोज लेते हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्कूलों, परिवारों और समाज में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को यह समझाया जाए कि क्या सही है, क्या गलत है और क्यों कुछ चीज़ें सीमित की जा रही हैं। जब तक उन्हें कारणों की समझ नहीं होगी, वे प्रतिबंधों को नियंत्रण नहीं बल्कि विरोध के रूप में देखेंगे।

यह भी विचारणीय है कि "आपत्तिजनक सामग्री" की परिभाषा हर समाज और संस्कृति में अलग-अलग हो सकती है। जो एक देश में अनुचित माना जाता है, वह दूसरे में सामान्य हो सकता है। इसलिए वैश्विक श्तर पर लागू होने वाले ऐसे नियमों के लिए सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय भावनाओं का ध्यान रखना आवश्यक है। मेटा को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके एल्गोरिद्म स्थानीय भाषाओं और समाज की संवेदनशीलता को समझ सकें। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह एक बड़ी चुनौती होगी।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सोशल मीडिया कंपनियों की प्राथमिकता प्रायः मुनाफा होती है, न कि नैतिकता। अधिक यूजर्स का मतलब अधिक विज्ञापन और अधिक राजस्व। ऐसे में किशोरों को प्लेटफॉर्म से दूर रखना या उनके कंटेंट को सीमित करना कंपनी के आर्थिक हितों के विपरीत जा सकता है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि मेटा इस नई नीति को कितनी गंभीरता से लागू करता है। यदि यह केवल दिखावटी कदम साबित हुआ तो इसका उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

सोशल मीडिया के नियमन की यह वैश्विक पहल सरकारों के लिए भी एक संकेत है। डिजिटल दुनिया इतनी प्रभावशाली हो चुकी है कि अब केवल नैतिक अपीलों से काम नहीं चलेगा। जैसे फिल्मों, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों पर सेंसरशिप की एक व्यवस्था होती है, वैसे ही सोशल मीडिया के लिए भी संतुलित और स्वतंत्र निगरानी संस्थान आवश्यक हैं।

सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियां केवल नीतियां घोषित न करें बल्कि उनके पालन के लिए पारदर्शी तंत्र भी बनाएं। अभिभावकों को भी सशक्त किया जाए कि वे अपने बच्चों की डिजिटल आदतों पर नज़र रख सकें।

किशोरों को यह समझाने की ज़रूरत है कि इंस्टाग्राम पर लाइक्स या फॉलोअर्स से उनकी असली पहचान तय नहीं होती। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और सामाजिक सहयोग ही जीवन के सच्चे मूल्य हैं। डिजिटल दुनिया असली दुनिया का विकल्प नहीं हो सकती। अगर बच्चे यह समझ जाएँ कि सोशल मीडिया एक साधन है, साध्य नहीं, तो उसकी सकारात्मक क्षमता अपार है।

मेटा का यह निर्णय केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि एक मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है।

आज जब दुनिया के कई हिस्सों में किशोर आत्महत्या, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन शोषण के शिकार हो रहे हैं, तब ऐसी पहलें उम्मीद की किरण बनती हैं। लेकिन इसके साथ यह भी ज़रूरी है कि सोशल मीडिया कंपनियाँ पारदर्शिता बरतें। माता-पिता को नियमित रिपोर्ट्स मिलें, बच्चे स्वयं अपने डिजिटल व्यवहार का मूल्यांकन करें और शिक्षण संस्थान इस विषय को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाएं। कई अध्ययनों में यह साबित हुआ है कि सोशल मीडिया की अधिकता से किशोरों में चिंता, नींद की कमी और आत्मसंतुष्टि में गिरावट आती है।

लगातार दूसरों से तुलना करने की प्रवृत्ति उन्हें हीनभावना की ओर धकेल देती है। "परफेक्ट बॉडी", "ग्लैमरस लाइफस्टाइल" और "फिल्टर की दुनिया" में वे असलियत से कटते चले जाते हैं। मेटा यदि अपने नए सिस्टम के ज़रिए इन खतरों को कम कर सके तो यह समाज के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

हालाँकि, इसे केवल किशोरों तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। वयस्कों के लिए भी सोशल मीडिया पर नियंत्रण आवश्यक है। फेक न्यूज़, घृणास्पद भाषण और गलत सूचनाएँ अब लोकतंत्र के लिए चुनौती बन चुकी हैं। इसलिए इस दिशा में मेटा की पहल अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए भी मिसाल बन सकती है। अंततः कहा जा सकता है कि यह निर्णय किशोरों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक विकास के लिए अत्यंत सराहनीय कदम है। तकनीक तभी सार्थक होती है जब वह मानवता की भलाई के लिए काम करे।

मेटा का यह कदम इसी भावना का विश्तार है। आने वाले समय में यदि यह नीति पूरी गंभीरता और पारदर्शिता से लागू होती है, तो यह न केवल किशोरों बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक स्वस्थ डिजिटल संस्कृति की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन साबित होगी।

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

प्रहलाद सबनानी

वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है।

अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है।

अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है।

इससे उपभोक्ताओं को वश्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70, 000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है। भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है।

वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं।

ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80, 000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का श्तर भी 60, 000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है।

बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80, 000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130, 000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98, 000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180, 000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है।

दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600, 000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही, अप्रेल-जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड श्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है।

इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चत्तम श्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं।

भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का श्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60-70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50, 000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा। भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वार्ताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है। साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता नवम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की सम्भावनाएं अब दिखाई देने लगी है। सम्भव है कि नवम्बर 2025 माह में अमेरिका के राष्ट्रपति डानल्ड ट्रम्प भारत आकार इस समझौते की घोषणा करें।

रूस के राष्ट्रपति श्री बलादिमिर पुतिन भी शीघ्र भारत आ रहे हैं और रूस के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत अभी रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है एवं रूस को भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों की मात्रा अभी बहुत कम है।

इस तरह भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक हो गया है। चीन के साथ भी भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक मात्रा में है, जिसे कम करने के लिए चीन के साथ भी भारत की बातचीत चल रही है। कुल मिलाकर आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर के तेज होने की प्रबल सम्भावना है, जो 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के आंकडें को भी छू सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

दबंगों के हौसले बुलन्द पीड़ित महिला परेशान,पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹। थाना क्वार्सी क्षेत्र के रामनगर में दबंगों के हौसले इस कदर बुलन्द है कि महिला और उसकी बेटी को दबंगों ने जमकर मारपीट करते हुये छेड़छाड़ करउनके कपड़े क फड़ डाले। जब इसकी शिकायत लेकर महिला थाना क्वार्सी पहुंची तो पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं और ना हीं घायल व्यक्ति का ड़ाक्टरी परीक्षण ही कराया। पीड़ति ने 18 दिन पूर्व एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई तो उन्होंने थाना क्वार्सी पुलिस को कार्यवाही करने के निर्देश दिये,लेकिन थाना क्वार्सी की बेलगाम पुलिस ने पुलिस कप्तान के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुये कोई कार्यवाही आरोपियों के खिलाफ नही की। शशी पत्नी नन्द कुमार निवासी-रामनगर ने बताया कि है। जब गांव में "नवदुर्गा" की झांकी निकल रही थी। उसी दौरान गांव के सुमित पुत्र हरज्ञान ने गुलाल के स्थान पर बालू मिला गुलाल शशी की पुत्री लकी घर के दरवाजे पर खडी झांकी देख रही थी। कि अचानक दबंग युवक ने उसके चेहरे पर गुलाल मारा जो उसकी आंखों में गिरा जिससे बेटी चीख कर रोने लगी। वहीं का रहने वाला सुमित का भाई प्रभाव व इनका पिता हरज्ञान शशी के घर में घुस आये और तीनों ने शशी के बाल पकड कर लात घूसों से मारपीट करना शुरू कर दिया । मारपीट में महिला के कपड़े भी फट गये वह अपनी जान बचाने बाहर नहीं भाग सकी अपराधियों ने मुस्लिम समुदाय के लडकों को भी फोन करके बुला लिया । पीड़ति महिला की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर सभी दबंग लोग जान से मारने की की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने 18 दिन बाद भी अपराधियों के खिलाफ कोई कठोर कार्यवाही नहीं की गयी है।

मकान मालिक ने की छात्रा से छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹। थाना क्वार्सी क्षेत्र के एक मोहल्ले में किराये पर रहने वाले परिवार ने मकान स्वामी पर 11 साल की बेटी संग चॉकलेट देकर छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। क्वार्सी क्षेत्र के एक मोहल्ले में एक परिवार पिछले कई साल से पदमलाल गुप्ता के मकान में किराये पर रहता है। आरोप है कि परिवार की कक्षा पांच में पढ़ने वाली 11 साल की बालिका को पदमलाल गुप्ता ने चॉकलेट के बहाने से अपने कमरे में बुला लिया और फिर उससे छेड़खानी करने लगा। बालिका ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपी ने उसको छोड़ दिया और खुद कमरे से भाग गया। पीड़ति परिवार ने थाने में पहुंचकर पूरे मामले की पुलिस को जानकारी दी। सीओ सिविल लाइंस सर्वम सिंह ने बताया कि पीड़ित छात्रा के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी 57 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि किरायेदार से किराये के संबंध पुराना विवाद चल रहा है। इस कारण उस पर यह आरोप लगाया गया है।

कमरे में पड़ा मिला गर्भवती महिला का शव

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹। थाना गंगीरी क्षेत्र के गांव तेहरा में एक गर्भवती महिला का शव कमरे में मिला। पुलिस के पहुंचने से पहले ससुराल वाले फरार हो गए। मृतका तनिष्का शर्मा की शादी इसी वर्ष नबल शर्मा से हुई थी और वह सात माह की गर्भवती थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। थाना दादों क्षेत्र के गांव जिरौली निवासी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने अपनी 29 वर्षीय बेटी तनिष्का शर्मा की शादी गंगीरी के गांव तेहरा निवासी नबल शर्मा पुत्र रामबाबू शर्मा के साथ इसी वर्ष दो फरवरी को थी। तनिष्का सात माह की गभर्वती थी। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे तनिष्का का शव कमरे में पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस से पहले ही महिला के ससुराल पक्ष के लोग मौके से फरार हो गये।

चाकू लहराकर दबंगई दिखा रहा युवक पुलिस बनी मूकदर्शक

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹। थाना क्वासी क्षेत्र के रामनगर में दबंगों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे खुलेआम चाकू का प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं। गांव के ही रोहित पुत्र लालूराम का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह हाथ में चाकू लेकर दबंगई करता दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि रामनवमी के दिन शोभायात्रा के दौरान भी उक्त व्यक्ति का विवाद हुआ था, जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने पुलिस से की थी। लेकिन क्षेत्रीय पुलिस द्वारा अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई न किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो इस तरह की दबंगई किसी बड़ी घटना को जन्म दे सकती है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हश्तक्षेप कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एमएलसी चुनावः राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों में होगा कड़ा मुकाबला

एक एमएलसी ऐसा जो 48 साल तक जीता

मेरठ , एजेंसी। प्रदेश में शिक्षक व स्नातक एमएलसी चुनाव प्रचार धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगा है। इस चुनाव में राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों में कड़ा मुकाबला होगा। शिक्षक संगठनों और राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित करने शुरू कर दिए हैं। सपा के शिक्षक व स्नातक सीटों के उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं तो कांग्रेस का एक प्रत्याशी सामने आ चुका है। भाजपा चुनाव से ऐन पहले ही अपने प्रत्याशी घोषित करेगी। माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट में शिक्षक सीट पर बगावत के हालात हैं।

लंबे समय तक रहा शिक्षक संगठनों का वर्चस्व

प्रदेश की शिक्षक व स्नातक एमएलसी सीटों पर लंबे समय तक शिक्षक संगठनों का दबदबा था। एमएलसी सीट का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक सीट पर माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय ओमप्रकाश शर्मा लगातार आठ बार (48 वर्ष) चुनाव जीतते रहे।

स्नातक सीट पर हेम सिंह पुंडीर चार बार एमएलसी बने। ठकुराई गुट के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उमेश त्यागी भी लगातार चार बार चुनाव लड़ चुके हैं। शिक्षक संगठनों का यह वर्चस्व वर्ष 2020 में हुए चुनाव में भाजपा ने तोड़ दिया और अधिकांश सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शर्मा व स्नातक सीट पर दिनेश गोयल ने बड़े अंतर से चुनाव जीता।

शिक्षक संगठनों से आएंगे कई उम्मीदवार

शिक्षक संघ शर्मा गुट में बगावत के हालात बने हुए हैं। अभी शिक्षक सीट पर दो प्रत्याशियों का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। शर्मा गुट की मेरठ मंडल की बैठक में मेरठ जिलाध्यक्ष गजेंद्र शर्मा को शिक्षक सीट पर प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। जबकि शर्मा गुट के ही पूर्व एमएलसी हेम सिंह पुंडीर के पुत्र सुशील पुंडीर भी खुद को प्रत्याशी मानकर शिक्षक सीट पर चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस बगावत से शर्मा गुट के कई सदस्य असमंजस में है। ठकुराई गुट भी अपने उम्मीदवारों को लेकर मंथन कर रहा है।

सपा ने गुर्जर प्रत्याशी उतार कर मचाई हलचल

सम्राट मिहिरभोज को लेकर वेस्ट यूपी में इस समय गुर्जर राजनीति गर्माई हुई है। मौके का फायदा उठाते हुए सपा ने स्नातक सीट से गुर्जर समाज से गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी को प्रत्याशी घोषित किया है। प्रमेंद्र भाटी की गिनती गुर्जर समाज के तेजतर्रार और सुलझे हुए नेताओं में होती है। इसी तरह शिक्षक सीट पर सपा ने डॉ. नितिन तोमर को चुनाव प्रचार में लगाया हुआ है।

कांग्रेस ने भी कई वर्ष से तैयारी में जुटे प्रदेश सचिव विशाल वशिष्ठ के भाई मेरठ निवासी विशाल वशिष्ठ त्यागी को स्नातक सीट पर प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। भाजपा चुनाव से ऐन पहले ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। भाजपा के दोनों वर्तमान एमएलसी ही वोट बनवाने में जुटे हैं।

गांव-गांव जाकर बनवा रहे वोट

घोषित व संभावित प्रत्याशियों ने शिक्षक व स्नातक सीटों पर वोट बनवाने का काम तेज कर दिया है। शिक्षक संगठन का कैडर तो वोट बनवाने के लिए स्कूल-कॉलेज जा ही रहा है तो राजनीतिक दलों के प्रत्याशी भी गांव-गांव में अपनी टीमें भेजकर स्नातकों के वोट बनवा रहे हैं। शिक्षकों के वोट बनवाने के लिए वित्तविहीन शिक्षण संस्थानों के संचालकों की सहायता भी ली जा रही है।

भाजपा की हर रोज चल रही बैठकें

भाजपा ने शिक्षक व स्नातक सीटों को जीतने के लिए बड़ी व्यूह रचना की है। महानगर व जिलों में संयोजक व सह संयोजक बनाने के साथ ही विधानसभा स्तर पर संयोजक तय कर दिए हैं। ये संयोजक प्रतिदिन बैठकें करके कार्यकर्ताओं से प्रगति रिपोर्ट ले रहे हैं। कांग्रेस भी इसी तर्ज पर अपने संगठन को तैयार करने में लगी है। सपा के उम्मीदवार भी वोट बनवाने में जुटे हैं। बसपा ने एमएलसी चुनाव लड़ने पर अपने पत्ते अभी नहीं खोले हैं।

सोनभद्र में दर्दनाक हादसाः घायल होकर रातभर सड़क पर पड़े रहे बाइक सवार, दो की मौत; एक की हालत गंभीर

सोनभद्र , एजेंसी। सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र के म्योरपुर- दुद्धी मार्ग पर आश्रम मोड़ के पास बीती रात अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में रिश्ते में मामा और भांजा लगने वाले दो बाइक सवारों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया है। घायल को म्योरपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीरावस्था में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। म्योरपुर थाना क्षेत्र के म्योरपुर- दुद्धी मार्ग पर आश्रम मोड़ के पास मंगलवार की देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक के पेड़ से टकरा जाने के कारण रामकुमार (35) पुत्र स्वर्गीय लालू निवासी गोविंदपुर, हिमांशु (18 वर्ष) पुत्र अमरनाथ निवासी सतगडईया, मनबसा, थाना दुद्धी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार तीसरा युवक सुनिल (18) पुत्र गौरीशंकर निवासी गोविंदपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक बाइक पर सवार होकर आश्रम मोड़ से दुद्धी की तरफ जा रहे थे। आश्रम से कुछ दूरी पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि रामकुमार और हिमांशु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीसरा युवक सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया और रातभर वहीं पड़ा रहा। सुबह पहुंचे राहगीरों द्वारा घटना की जानकारी हुई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को म्योरपुर सीएचसी में उपचार के लिए भर्ती कराया, जबकि हादसे में मृत दोनों युवकों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है।

परिजनों के मुताबिक रामकुमार और हिमांशु आपस में रिश्ते में मामा भांजा लगते थे। घायल सुनील की सगी बुआ का लड़का हिमांशु बताया जा रहा है, जबकि रामकुमार सुनील के पिता का चचेरा भाई है। ऐसे में रात में हिमांशु को छोड़ने उसके घर मनबसा जा रहे थे, लेकिन हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद परिजन मातम में डूब गए।

पीलीभीत बस हादसाः होली के समय बेटा... दिवाली पर हुई बेटी की मौत, उजड़ गई मां जमुना की दुनिया

पीलीभीत, एजेंसी। उत्तराखंड के नानकमत्ता से दर्शन कर लौटते समय हुए बस हादसे से बरेली के चौपला में रहने वाली जमुना की दुनिया ही उजड़ गई। मौसा, मामा और अन्य रिश्तेदारों के साथ धार्मिक यात्रा पर निकली जमुना की बेटी दुर्गा की जान चली गई। रिश्तेदारों का कहना है कि जमुना के बेटे के मौत करीब छह माह पूर्व होली के आसपास हादसे में हुई थी। अब सिर्फ एक बेटी ही सहारा बची है।

बरेली के श्रद्धालुओं की बस बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे अनियंत्रित होकर पीलीभीत के जहानाबाद थाना क्षेत्र में बरेली-हरिद्वार हाईवे पर पलट गई। हादसे में बस में सवार दुर्गा (18 वर्ष) की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। बस में करीब 60 श्रद्धालु सवार थे।

हादसे की खबर सुनकर करीब 4:30 बजे जहानाबाद सीएचसी पहुंची जमुना बेटी दुर्गा का शव देख पछाड़ खाकर गिर गई। बेसुध हालत में रिश्तेदारों ने उन्हें जैसे तैसे संभाला। मृतका दुर्गा की मौसी ने रोते बिलखते बताया कि दुर्गा का भाई भी नहीं है। करीब छह महीने पहले होली के आसपास ही उसके भाई की भी हादसे में मौत हो गई थी। पिता की मौत पूर्व में हो चुकी है।

दुर्गा की मां जमुना घरों में काम कर परिवार का भरण पोषण करती हैं। मृतका के रिश्तेदार ने बताया कि वे लोग मंगलवार को घर से निकले थे। गिरिजा देवी, हनुमान धाम और नानकमत्ता दर्शन कर वापस जा रहे थे। मृतका दुर्गा के परिवार में अब उसकी मां जमुना और छोटी बहन है। बहन भी सभी के साथ गई थी। बताया जा रहा है कि दुर्गा परिचालक सीट के पास बैठी थी। बस पलटी तो सीट के बीच फंसकर उसकी जान चली गई। हादसे में बरेली के ही नन्हे पुत्र सोहनलाल, रमेश, अर्जुन, मनोज, प्रीति, वरुण, गीता, अनीता, विशाल, दिनेश, जमुना, ऋतिक आदि 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं।

हरिद्वार हाईवे पर बस पलटने के हादसे के बारे में श्रद्धालुओं ने बताया कि चालक ने शराब पी रखी थी। इसी वजह से हादसा हुआ।

नशा मुक्ति केंद्र में हत्याः हाथ-पैर और मुंह बांधा, कमरे में सोते रहे 12 लोग

मेरठ , एजेंसी। अम्हेड़ा गांव स्थित सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती फैमीद (42) की रविवार रात पीटकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने उसे चार दिन पहले ही नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। फैमद के हाथ-पैर और मुंह बांधते हुए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतक के भाई की ओर से गंगानगर थाने में नशा मुक्ति केंद्र संचालकों शिवलोक कॉलोनी निवासी सुनील और सैनी गांव के अरविंद समेत चार के खिलाफ हत्या की धारा में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने दोनों संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य दो आरोपियों को तलाश किया जा रहा है।

भावनपुर थाना क्षेत्र के जेई नंगला निवासी फैमीद पनीर सप्लाई का काम करते थे। उनकी पत्नी शाहीन की कैंसर से एक साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद वह नशे के आदी हो गए थे। परिजनों ने बताया कि उन्हें गंगानगर थाना क्षेत्र के अम्हेड़ा गांव स्थित सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में 15 अक्तूबर को भर्ती कराया था।

भाई असर चौहान ने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र की ओर से 20 अक्तूबर की सुबह करीब 5 बजे सूचना दी गई कि उनके भाई फैमीद की मौत हो गई है। परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया। सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है और अन्य तथ्य भी जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

फुटेज में हाथ पैर बांधते दिख रहे लोग

19 अक्तूबर की रात करीब एक बजे सीसीटीवी फुटेज में बेड पर लेटे फैमीद के चार लोग हाथ-पैर बांधते दिख रहे है। इसके बाद उन्होंने मुंह पर भी कपड़ा बांध रहे हैं। कुछ देर बाद फैमीद अचेत हो गए। बेहोशी की हालत में देख उनको अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर उनको मृत घोषित कर दिया गया।

सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में जिस कमरे में वह घटना हुई वहां पर रहने वाले 12 लोग सोते हुए दिख रहे हैं। इनमें से दाएं ओर साइड पर नीचे से तीसरे साइड पर फैमीद लेटे हुए दिख रहे है। उनके हाथ पैर और मुंह बंधे थे।

बेकाबू होने पर बांधे हाथ-पैर

नशा मुक्ति केंद्र संचालक सुनील और उसके साथी अरविंद का कहना है कि रात में फैमीद बेकाबू हो रहे थे। इस कारण उनके हाथ-पैर बांध दिए और चेहरे पर कपड़ा ढक दिया। कुछ देर बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनसे मारपीट नहीं की गई।

पिता की मौत के बाद अनाथ हो गए बच्चे

परिजन ने बताया कि फैमीद की पत्नी शाहीन की एक साल पहले कैंसर से मौत हो चुकी है। उनकी चार बेटी और एक बेटा है। 15 अक्तूबर को ही उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। अब पिता की मौत के बाद उनके बच्चे अनाथ हो गए।

चौकी प्रभारी पर गंभीर आरोप लगा कर भाजपा ब्लाक प्रमुख चौकी में धरने पर बैठे, निलंबन की मांग की

बलरामपुर। बलरामपुर जिले की उतरौला तहसील के श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी महदेइयया बाजार में मंगलवार की देर रात हंगामा खड़ा हो गया। रात करीब 11 बजे क्षेत्र के शुक्लागंज बाजार से एक युवक को चौकी प्रभारी ने पकड़ा। ब्लाक प्रमुख ने कार्यकर्ता बताकर छोड़ने को कहा।

चौकी प्रभारी ने छोड़ने से मना कर दिया, इसके बाद चौकी पर पहुंचे ब्लाक प्रमुख हेमंत जायसवाल ने प्रदर्शन किया।

मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने प्रमुख से चौकी में वार्ता की लेकिन ब्लाक प्रमुख चौकी प्रभारी संतोष कुमार के निलंबन की मांग पर अड़े रहे।

शिक्षक हत्याकांड में शामिल 50 हजार के इनामी का हाफ एनकाउंटर, इस वजह से किया था मर्डर; साथी भागा

बलिया, एजेंसी। शिक्षक देवेंद्र हत्याकांड में शामिल 50 हजार का इनामिया विकास सोनकर को उभांव एसओजी व भीमपुरा पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ल ने बताया कि बीती रात उभांव थाना के मलेरा रोड में उभांव, एसओजी व भीमपुरा पुलिस संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान बाइक से दो संदिग्ध युवक आते दिखाई पड़े। टीम ने जांच के लिए उन्हें रुकने का इशारा किया। परंतु मोटरसाइकिल चालक द्वारा बिना रुके मोटरसाइकिल को पीछे घुमा कर भागने का प्रयास किया।

संयुक्त पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो मोटरसाइकिल सवार द्वारा अपने को पुलिस से घिरता देख टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश विकास सोनकर पुत्र बाबूलाल निवासी बहरज थाना बरहज देवरिया के दोनों पैरो में गोली लगी।एक अन्य बदमाश मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पूछताछ के दौरान बदमाश ने अपना नाम विकास सोनकर बताया। कहा कि साथियों के साथ 16 सितंबर को थाना क्षेत्र में दो शिक्षिका से सोने की चेन लूटी। विरोध करने पर शिक्षक देवेंद्र प्रताप यादव की गोली मारकर हत्या कर दिए थे। पकड़े गए बदमाश विकास के कब्जे से एक तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस व बाइक बरामद हुई है। पुलिस भागे हुए बदमाश की खोजबीन कर रही है।

सीएम योगी ने की गोरखनाथ मंदिर में गोवर्धन पूजा, गायों को खिलाया गुड़ चना

गोरखपुर, एजेंसी। गोवर्धन पूजा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और गौ-सेवा की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ÷दीपोत्सव के पंचदिवसीय महापर्वों की श्रृंखला में आज पावन गोवर्धन पूजा है। भारत की कृषि प्रधान व्यवस्था का प्रतीक गोवर्धन पूजा का यह कार्यक्रम रहा। मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई देता हूं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में गौ और गौवंश का महत्व क्या है, गोवर्धन पूजा इस बात का प्रतीक है और दीपावली जैसे महापर्व के साथ इस आयोजन को जोड़कर इसके महत्व को और भी प्रभावी बनाया गया है।

ये मेरा सौभाग्य है कि आज सुबह मुझे गौ पूजन और गौ सेवा करने का अवसर यहां प्राप्त हुआ है। भारत की समृद्धि का आधार भारतीय गौवंश रहा है। आज भी प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश में गोवर्धन योजना के अंतर्गत गाय के गोबर से बायो कंपोस्ट और इथेनॉल बनाने के जो अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं, यह गौवंश के संवर्धन और उनके संरक्षण में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि केवल पूजन ही नहीं बल्कि उसके अनुरूप कार्ययोजना भी प्रारंभ की जा रही है। प्रदेश में 16 लाख गौवंश ऐसे हैं जिन पर हम राज्य सरकार के माध्यम से सब्सिडी दे रहे हैं। किसानों की फसलों को नुकसान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यह प्रयास शुरू किया गया है। तीन प्रकार की योजनाएं हैं।

निराश्रित गोशाला योजना, जिसमें हम सरकारी स्तर पर प्रत्येक गाय के लिए 1500 रुपये प्रति माह प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक सहभागिता योजना है, जिसमें यदि कोई किसान गोवंश संरक्षण के हमारे कार्यक्रम से जुड़ता है, तो उसे 4 गोवंश प्रदान किए जाते हैं।

परिवार सरकार से आसानी से 6000 रुपये मासिक प्राप्त कर सकता : हम उसे हर महीने प्रति गाय 1500 रुपये देते हैं, यानी अगर उसके पास चार गोवंश हैं, तो वह परिवार सरकार से आसानी से 6000 रुपये मासिक प्राप्त कर सकता है। ऐसी ही एक तीसरी योजना कुपोषित परिवारों के लिए है। कुपोषित माताओं और बच्चों वाले परिवारों को निराश्रित गोशालाओं में छोड़ी गई गायें मिलती हैं।

योजना के तहत दिए जाते हैं 1500 रुपये प्रति माह : वे गायों की सेवा भी करते हैं, गायों का दूध भी निकालते हैं, और इस योजना के तहत उन्हें 1500 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। मुझे खुशी है कि बड़ी संख्या में लोगों को इस योजना का लाभ मिला है।

किसानों को गोबर का मूल्य मिल रहा : अन्नदाता किसान समृद्धि की ओर अग्रसर हुआ है और प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश में क्रियान्वित गोवर्धन योजना के तहत संपीड़ित बायोगैस और इथेनॉल उत्पादन के अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जिससे किसानों को गोबर का मूल्य मिल रहा है।

पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप से बाहर

अब एक स्पॉट के लिए तीन टीमों में जंग, दिलचस्प हुआ सेमीफाइनल का समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तानी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं. 21 अक्टूबर (मंगलवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में पाकिस्तन को साउथ अफ्रीका ने डीएलएस नियम के तहत 150 रनों से हरा दिया.

बारिश से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम को 20 ओवर्स में 234 रन बनाने थे, लेकिन वो सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी. मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवरों में 9 विकेट पर 312 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका इस जीत के साथ ही अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गया. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम्स पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. वहीं पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश अंतिम-चार की रेस से बाहर हो चुका है. अब चौथे एवं आखिरी स्थान के लिए भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच रेस है. बात पहले भारतीय टीम की करते हैं. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस समय 4 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है. टीम इंडिया ने 5 मैच खेले हैं और उसका नेट रनरेट +0.526 है. भारत को अब न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले

खेलने हैं. अगर भारत अपने दोनों बचे मैच हारता है, तो उसका सफर यहीं खत्म हो जाएगा. न्यूजीलैंड के पांच मैचों से 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट -0.245 है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है. अगर न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच (बनाम भारत और इंग्लैंड) जीत लेता है, तो वह 8 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा. अगर न्यूजीलैंड की टीम भारत को हराती है, लेकिन इंग्लैंड से हार मिलती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम भारत को हराए. साथ ही उसका नेट रन रेट श्रीलंका से बेहतर रहे या पाकिस्तानी टीम श्रीलंका को हरा दे. श्रीलंकाई टीम 6 मैचों में 4 अंकों के साथ छठे नंबर पर है. श्रीलंका का नेट रनरेट -1.035 है. श्रीलंका का केवल एक मैच बचा है, जो पाकिस्तान के खिलाफ है. पाकिस्तान के खिलाफ जीत भी श्रीलंका के लिए काफी नहीं होगा. उसे यह उम्मीद करनी होगी कि भारत अपने दोनों मैच (बनाम न्यूजीलैंड और बांग्लादेश) हार जाए, वहीं न्यूजीलैंड को इंग्लैंड से हार मिले. इसके साथ ही श्रीलंका का नेट रनरेट न्यूजीलैंड से बेहतर रहे.

न्यूजीलैंड को हराने पर मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी क्योंकि उसके 6 अंक हो जाएंगे. भारत सेमीफाइन की रेस में शामिल तीन टीम्स में ऐसी अकेली ऐसी टीम होगी, जिसने तीन मैच जीते होंगे. लेकिन अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारती है और वो बांग्लादेश को हराती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हराए, तभी भारत टॉप-4 में पहुंच पाएगा.

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग:

जसप्रीत बुमराह के लिए मुसीबत बना पाकिस्तान का 39 साल का गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत पर खतरा मंडराने लगा है. 39 साल के स्पिनर उनके काफी करीब पहुंच गया है. ये स्पिनर साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए ये मुकाम हासिल किया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के इस स्पिनर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और 10 विकेट हासिल किए थे. आईसीसी टेस्ट बॉलिंग की रैंकिंग में ये गेंदबाज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है.

, नंबर 1 रैंकिंग पर खतरा

नुमान अली ने लगाई लंबी छलांग

पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नुमान अली ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस दौरान वो जसप्रीत बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. जसप्रीत बुमराह इस रैंकिंग में टॉप पर हैं. उनके 882 रेटिंग हैं, जबकि नुमान अली 853 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर हैं. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी तीसरे नंबर पर हैं.

साईं दरबार में सूर्यकुमार यादव!

टी-20 सीरीज़ से पहले शिर्डी में लिया साईं बाबा का आशीर्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज़ 29 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रही है. इस अहम दौरे से पहले भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविषा शेट्टी के साथ शिर्डी पहुंचे और साईं बाबा के दरबार में श्रद्धापूर्वक दर्शन किए. दिवाली के अवसर पर दोनों ने साईं बाबा की मध्यान्ह आरती में शामिल होकर पूजा-

अर्चना की. सूर्यकुमार यादव ने साईं समाधि पर केसरी रंग की शॉल अर्पित की और द्वारकामाई व गुरुस्थान के भी दर्शन किए. साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने सूर्यकुमार यादव और उनके परिवार का साईबाबा शॉल भेंट कर सत्कार किया. इस आध्यात्मिक यात्रा के बाद सूर्यकुमार यादव अब ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में टीम इंडिया इस टी-20 सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करेगी.

दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के निशाने पर होंगे रोहित और कोहली, कंगारूओं ने Ro-Ko के लिए बनाई योजना

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि रोहित-कोहली पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम को दूसरे वनडे में घेरने के लिए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने साढ़े सात माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को निशाना बनाने की योजना बनाई है। पहले वनडे में फ्लॉप रहे दोनों दिग्गजों के लिए एडिलेड का मैच महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि दोनों पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इन दोनों को एक बार फिर सस्ते में आउट करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाकर एडिलेड में ही सीरीज जीतने की होगी। वहीं, भारतीय टीम की कोशिश पर्थ में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर पलटवार करने की होगी, लेकिन इसके लिए गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में रोहित और विराट के बल्ले से रन निकलना अहम होगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जब भारत के खिलाफ एडिलेड में उतरेगी तो उसकी कोशिश विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी का फायदा उठाने की होगी। पर्थ में भी मिचेल स्टार्क ने विराट को शून्य पर ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंद पर आउट किया था। बीते कुछ समय में विराट ऑफ स्टंप के बाहर अपनी गलती के चलते कई बार आउट हुए हैं।

स्टार्क-हेजलवुड उठाएंगे कमजोरियों का फायदा: विराट और रोहित की पर्थ में नाकामी का ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह तेज गेंदबाजों की मंत्रणा में शामिल नहीं थे लेकिन हाल ही में विराट इसी तरह आउट हो रहे हैं (ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर)। जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है, वे जानते हैं कि उन्हें इन दोनों के खिलाफ क्या करना है। शॉर्ट ने कहा कि पर्थ में इन गेंदबाजों ने परिस्थितियों को ही सारा काम करने दिया, विकेट पर थोड़ी स्विंग और तेजी थी। शॉर्ट को यकीन है कि ये दोनों गेंदबाज एडिलेड में भी फिर से ऐसा ही करेंगे। रोहित पर्थ में हेजलवुड की शरीर पर आ रही पटकी हुई गेंद को संभाल नहीं पाए थे, जबकि विराट ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग हो रही गेंद को हवा में खेल बैठे थे।

विराट के लिए घर जैसा है एडिलेड ओवल

विराट कोहली के लिए एडिलेड ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। इस मैदान पर तीनों प्रारूपों में उनका औसत 65 के आसपास है और वह यहां पांच अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ चुके हैं। दो शतक उन्होंने यहां वनडे में लगाए हैं। उन्होंने यहां वनडे में 18,15,107 और 104 रन की पारियां खेली हैं। ऐसे में वह आत्मविश्वास के साथ एडिलेड में बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। फिर पर्थ की अपेक्षा यहां उछाल भी नहीं होगा। एडिलेड की पिच बल्लेबाजों को रास आती है। रोहित शर्मा भी एडिलेड की पिच का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। हालांकि रोहित का एडिलेड में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह यहां वनडे में अपने पहले अर्धशतक की तलाश में हैं। वह इस मैदान पर वनडे में 1, 24, 33, 15, 15, 43 रन की पारियां खेल पाए हैं।

एकबार फिर टीम इंडिया ने पाकिस्तानी कप्तान से नहीं मिलाया हाथ, मैच में 81-26 से रौंदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई युवा खेलों में भारत की युवा कबड्डी टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया. बहरीन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 81-26 के विशाल अंतर से हरा दिया. इस मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने सबका ध्यान खींच लिया. भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया.

पाकिस्तान की करारी हार: टॉस के वक्त हुए इस 'नो हैंडशेक' मोमेंट के बावजूद, भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार खेल दिखाया. शुरू से ही भारत ने मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा. पाकिस्तान की टीम भारतीय खिलाड़ियों की गति और रणनीति के आगे टिक ही नहीं पाई. इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हार का स्वाद चखाया था. यानी टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है.

कबड्डी में भारत का एकछत्र राज

पहली बार है जब कबड्डी को एशियाई युवा खेलों का हिस्सा बनाया गया है. सात देशों की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं. इस फॉर्मेट में जो टीमें शीर्ष पर रहेंगी, वे 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी. मौजूदा प्रदर्शन देखकर ऐसा लगता है कि भारत फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है.

'नो हैंडशेक' से उठे सवाल, लेकिन मिला देश का समर्थन: भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाने का ट्रेंड अब बार-बार दिखने लगा है. कुछ महीने पहले एशिया कप क्रिकेट में भी सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था.

सचिन से 5000 ज्यादा मेरे रन...

सबसे ज्यादा शतक भी मेरे होते, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बयान से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक (माइकल) हसी का एक बयान खूब वायरल हो रहा है. हसी ने कहा है कि अगर उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके मिले होते या सही समय पर उनका डेब्यू हुआ होता तो फिर वह भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा बना देते. यू-ट्यूब चैनल पर माइक हसी ने कहा, मेरे टाइम पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में काफी प्रतिभा थी, जिस कारण मुझे देरी से मौका मिला. अगर मुझे सही समय पर मौका मिला होता तो यकीनन मैं सचिन तेंदुलकर से ज्यादा रन बना देता. हसी ने आगे कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है. मैं सचिन से 5000 रन पीछे रह जाऊंगा, जो इस खेल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा एशेज और सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप, हर चीज मेरे नाम. फिर बदकिस्मती से मैं सुबह उठता हूं तो यह सब सपना लगता है. फिर मैं सोचता हूं मुझे पहले मौका मिला होता तो ज्यादा अच्छा होता. बता दें कि इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर के नाम हैं. टेस्ट में सचिन ने 15921 रन, वनडे में 18426 रन और टी20 में 10 रन बनाए. ऐसे में सचिन के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 34 हजार से ज्यादा रन हैं. अब हसी का यह कहना है कि वह सचिन से 5000 रन बना देते, हर किसी को हैरान करने वाला है. माइकल हसी को करीब 31 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला था. वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट, 185 वनडे और 38 टी20 मैच खेले. टेस्ट में हसी के नाम 6235 रन, वनडे में 5442 रन और टी20 में 721 रन हैं

. हसी ने टेस्ट में 19 और वनडे में 3 शतक जड़े. वह सचिन से इंटरनेशनल क्रिकेट में 78 शतक पीछे रहे. सचिन तेंदुलकर के जहां 100 शतक रहे, वहीं हसी के नाम 22 शतक ही रहे.

समरदीप पर नजरें

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान, भारत उतारेगा युवा दल

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एमवी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच, चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था।

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। जोकोविज इससे पहले पैर में चोट के कारण मैत्री टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

पेरिस मास्टर्सः

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। हाल ही में शांघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कुछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था। ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।